RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 269
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, मंगलवार, 23 जनवरी, 2024

# द अचीवर टाइम्स

## 84 सेकंड के मुहूर्त में हुई राम लला की प्राण प्रतिष्ठा

# 10 लाख दीपों से चमकी अयोध्या

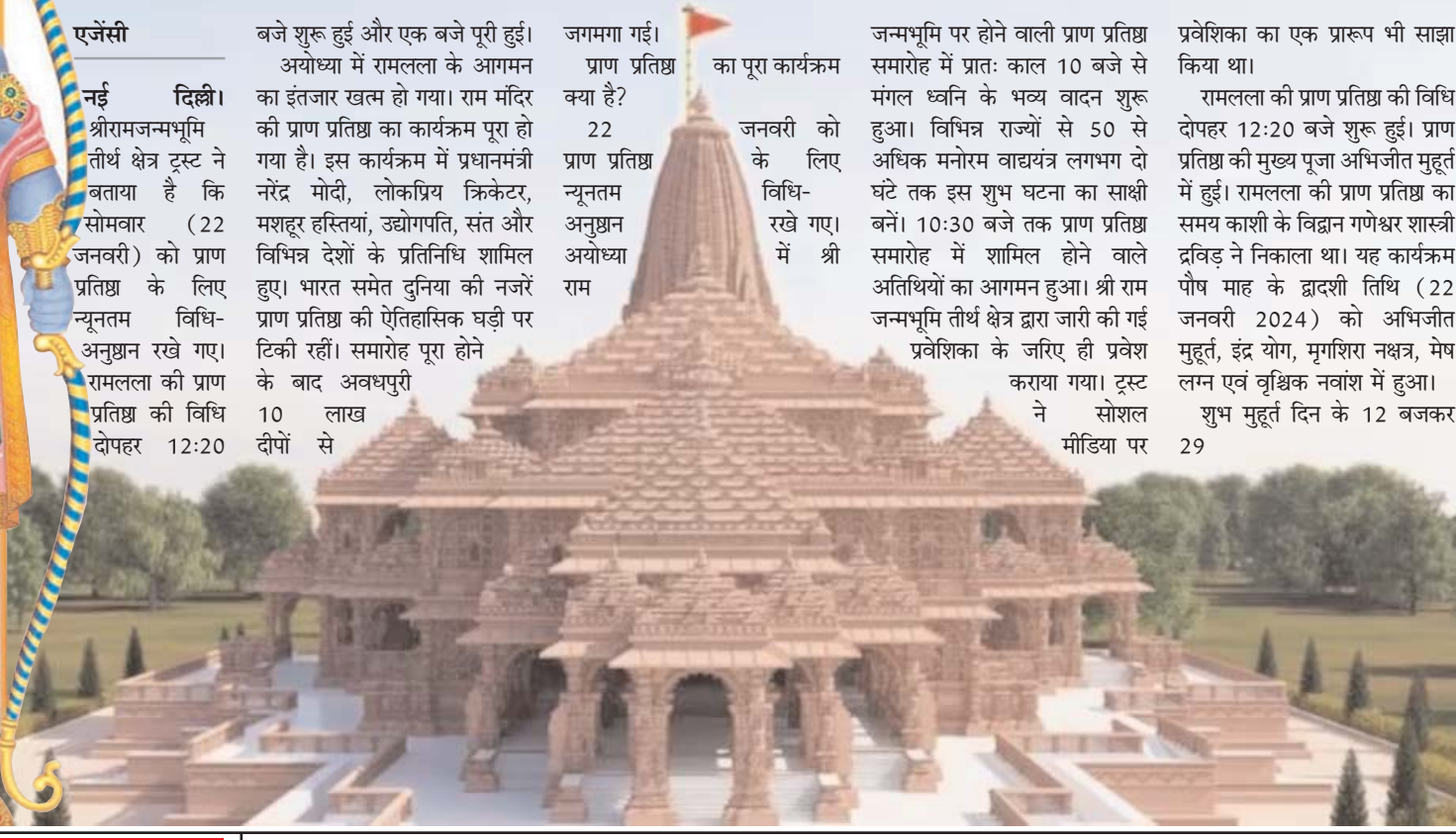





एजेंसी

**नई दिल्ली।** श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बताया है कि सोमवार (22 जनवरी) को प्राण प्रतिष्ठा के लिए न्यूनतम विधि-अनुष्ठान रखे गए। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की विधि दोपहर 12:20 बजे शुरू हुई और एक बजे पूरी हुई।

अयोध्या में रामलला के आगमन का इंतजार खत्म हो गया। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूरा हो गया है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकप्रिय क्रिकेटर, मशहूर हस्तियां, उद्योगपति, संत और विभिन्न देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। भारत समेत दुनिया की नजरें प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक घड़ी पर टिकी रहीं। समारोह पूरा होने के बाद अवधपुरी 10 लाख दीपों से जगमगा गई।

प्राण प्रतिष्ठा का पूरा कार्यक्रम क्या है?

22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के लिए न्यूनतम विधि-अनुष्ठान रखे गए। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर होने वाली प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रातः काल 10 बजे से मंगल ध्वनि के भव्य वादन शुरू हुआ। विभिन्न राज्यों से 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्र लगभग दो घंटे तक इस शुभ घटना का साक्षी बनें। 10:30 बजे तक प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों का आगमन हुआ। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा जारी की गई प्रवेशिका के जरिए ही प्रवेश कराया गया। ट्रस्ट ने सोशल मीडिया पर प्रवेशिका का एक प्रारूप भी साझा किया था।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की विधि दोपहर 12:20 बजे शुरू हुई। प्राण प्रतिष्ठा की मुख्य पूजा अभिजीत मुहूर्त में हुई। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समय काशी के विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने निकाला था। यह कार्यक्रम पौष माह के द्वादशी तिथि (22 जनवरी 2024) को अभिजीत मुहूर्त, इंद्र योग, मृगशिरा नक्षत्र, मेष लग्न एवं वृश्चिक नवांश में हुआ।

शुभ मुहूर्त दिन के 12 बजकर 29 मिनट और 08 सेकंड से 12 बजकर 30 मिनट और 32 सेकंड तक का रहा। यानि प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त केवल 84 सेकंड का रहा। पूजा-विधि के जजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हुई। अनुष्ठान को काशी के प्रख्यात वैदिक आचार्य गणेश्वर द्रविड़ और आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निर्देशन में 121 वैदिक आचार्यों ने संपन्न कराया। इस दौरान 150 से अधिक परंपराओं के संत-धर्माचार्य और 50 से अधिक आदिवासी, गिरिवासी, तटवासी, द्वीपवासी, जनजातीय परंपराओं की भी उपस्थिति रही।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा का पूरा कार्यक्रम दोपहर एक बजे तक पूरा हो गया। सभी पूजा-विधि समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संदेश दिया।

चार घंटे अयोध्या में रहे पीएम मोदी

पीएम मोदी सोमवार को चार घंटे अयोध्या में रहे। पीएम सुबह 10ः25 बजे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे और 10:55 बजे राम जन्मभूमि पर आगमन हुआ। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के बाद सभा को संबोधित किया। 2:10 पर पीएम ने कुबेर टीला का दर्शन किया।

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत राम ज्योति प्रज्ज्वलित कर दीपावली मनाई गई। शाम को अयोध्या 10 लाख दीपों से जगमगा गई। इसके साथ ही मकानों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और पौराणिक स्थलों पर राम ज्योति प्रज्ज्वलित की गई। अयोध्या सरयू नदी के तटों की मिट्टी से बने दीपों से रोशन हुई। रामलला, कनक भवन, हनुमानगढ़ी, गुप्तारघाट, सरयू तट, लता मंगेशकर चौक, मणिराम दास छावनी समेत 100 मंदिरों, प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलित किए गए।

## दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप के झटके के कारण कई लोग घरों से बाहर निकल गए हैं।

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा। भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

## 500 वर्ष पुराना सपना साकार हुआ सभी लोगों ने दीप जलाकर व पटाखे जलाकर मनाई दीपावली

■ श्री राम का स्मरण करें और उनके आदेश पर चलने का प्रण ले : आकांक्ष मिश्रा

■द अचीवर टाइम्स प्रशान्त अवस्थी

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ के नगर पंचायत इटौंजा को भव्य रूप से सजा दिया गया है जिसको लेकर पूरी नगर पंचायत इटौंजा की जनता में काफी खुशी देखने को मिल रही है और जगह-जगह पर श्री राम प्रभु के झंडे लगा दिए गए हैं व गुब्बारे भी टांगे गए हैं जिससे कि पूरी नगर पंचायत इटौंजा खुशी से झूम उठी और अयोध्या नगरी में श्री राम प्रभु के आगमन पर पूरा विश्व खुशियों से झूम उठा है 500 वर्ष पुराना सपना साकार हुआ है लोगों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है वहीं पर अमर सिंह चौहान व भाजपा कार्यकर्ता आकांक्ष मिश्र पुत्तू ने बताया कि श्री राम प्रभु जंगल और झोपड़ी में रहते थे आज दिनांक - 22-1-2024 को अयोध्या नगरी में प्रवेश कर चुके हैं जिससे कि पूरा विश्व पूरा प्रदेश खुश है और दीप जलाकर व पटाखे जलाकर दीपावली मनाई जायेगी और पूरा प्रदेश पूरा विश्व श्री राम के नारों से गूंज उठा वहीं पर बात की जाए कानून व्यवस्था की तो प्रभारी निरीक्षक इटौंजा मारकंडेय यादव ने अपने पुलिस बल के साथ उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देशन में जगह-जगह पर जा जाकर लिया जायजा और जगह-जगह पर पुलिस दिखी मुस्तैद अयोध्या नगरी में श्री राम प्रभु के आगमन पर झूम उठा पूरा विश्व व प्रदेश लोगों ने दीप जलाकर व पटाखे जलाकर मनाई दीपावली श्री राम प्रभु प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोगों में दिखा काफी उत्साह अयोध्या नगरी में श्री राम प्रभु के आगमन पर नगर पंचायत इटौंजा को गुब्बारो व श्री राम प्रभु के झंडों से सजाया गया 500 वर्षो पुराना सपना हुआ साकार पूरा विश्व श्री राम के नारों से गूंज उठा जय श्री राम जय श्री राम जय

## प्राण प्रतिष्ठा पर मुस्लिम नेता ने किया राम नाम का जाप

■ प्राण प्रतिष्ठा पर मुस्लिम नेता राव मुशर्रफ ने राम नाम का जाप किया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

एजेंसी

**सहारनपुर।** अयोध्या में श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर आरएसएस के घटक दल मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के विभाग संयोजक राव मुशर्रफ ने भी अपने आवास पर कार्यक्रम किया। इसमें उन्होंने श्रीराम जय राम, जय-जय राम का जाप किया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। सहारनपुर में बन्हेड़ा खास गांव निवासी राव मुशर्रफ पिछले काफी समय से मुस्लिम राष्ट्रीय मंच से जुड़े हुए हैं। जिसके चलते उन्हें आलोचनाएं भी झेलनी पड़ रही है। लेकिन इन सबसे बेफिक्र राव मुशर्रफ मंच के उद्देश्य को आगे बढ़ा रहे हैं। वहीं, सोमवार को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर राव मुशर्रफ ने अपने आवास पर कार्यक्रम किया। जिसमें उन्होंने श्रीराम जय राम, जय-जय राम का जाप किया। उनका राम नाम का जाप करने वामा वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें वह रामभक्ति में लीन होकर श्रीराम का जाप करते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान राव मुशर्रफ ने कहा कि अल्लाह का शुक्र का है कि अमन और चैन के साथ अयोध्या में राम मंदिर का मसला निपट गया।

## जितना अलौकिक रूप, उतनी दिव्य सज्जा

# 16 आभूषणों से रामलला शोभायमान, हीरे-माणिक्य से हुआ मंगल तिलक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद रामलला की खास तस्वीरें सामने आई हैं। मूर्तिकार अरुण योगीराज के हाथों गढ़ी गई रामलला की जीवंत प्रतिमा 16 दिव्य आभूषणों से श्रृंगार के बाद अलौकिक स्वरूप में सामने आई। हीरे-माणिक्य से मंगल तिलक के बाद रामलला सौम्य मुद्रा में श्रद्धालुओं को दर्शन दे रहे हैं।




अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद उनके अलौकिक स्वरूप को देखकर ऐसा एहसास हो रहा है, जैसे ब्रह्मानंद की प्राप्ति हो रही हो। रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास ने रामलला के प्राकट्य को %...यह सुख परम अनूपा% जैसी चौपाई में वर्णित किया है। श्यामल वर्ण के रामलला की 51 इंच की प्रतिमा की स्थापना के बाद उनके श्रृंगार का वर्णन किया जा रहा है। पूरे विधि-विधान से भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद श्रीराम मंदिर ट्रस्ट ने 16 आभूषणों का वर्णन किया है। श्रृंगार युक्त मूर्ति में भगवान के पूरे स्वरूप का दर्शन किया जा सकता है। श्रद्धालु रामलला का %रत्न जड़ित करुना सुख सागर श्रीराम% के अलौकिक स्वरूप में दर्शन कर निहाल और विह्वल हो रहे हैं।

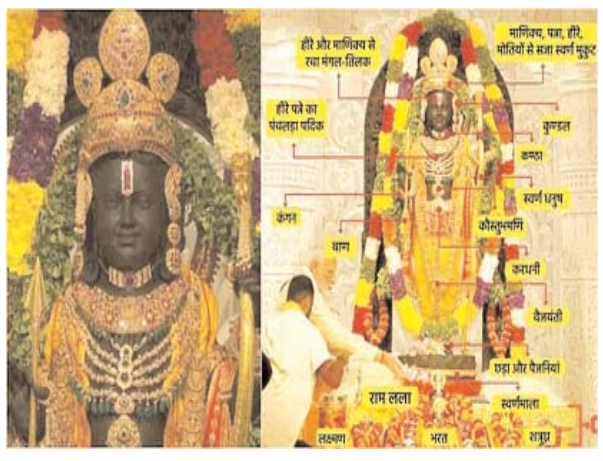

भगवान राम के बाल रूप की मूर्ति को गर्भ गृह में स्थापना के बाद सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा कर दी गई है। तस्वीर में रामलला माथे पर तिलक लगाए बेहद सौम्य मुद्रा में दिख रहे हैं। आभूषण और वस्त्रों से सुसज्जित रामलला के चेहरे पर भक्तों का मन मोह लेने वाली मुस्कान दिखाई दे रही है। कानों में कुंडल तो पैरों में कड़े पहने हुए हैं। मूर्ति के नीचे आभामंडल में चारों भाइयों राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की छोटी-छोटी मूर्तियों की पूजा की गई है। श्रीराम जन्मभूमि न्यास ने विस्तार से 16 दिव्य आभूषणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी है।

न्यास ने बताया कि रामलला के शीश पर विराजित मुकुट या किरीट उत्तर भारतीय परम्परा में स्वर्ण निर्मित है। इसमें माणिक्य, पन्ना और हीरों से अलंकरण किया गया है। मुकुट के ठीक मध्य में भगवान सूर्य अंकित हैं। मुकुट के दायीं ओर मोतियों की लड़ियां पिरोई गयी हैं। **कुण्डल**–मुकुट या किरीट की तरह ही भगवान के कर्ण-आभूषण बनाये गये हैं। इनमें मयूर आकृतियां बनी हैं। राम लला के कुण्डल सोने, हीरे, माणिक्य और पन्ने से सुशोभित हैं। **कण्ठा**– राम लला के गले में अर्द्धचन्द्राकार रत्नों से जड़ित कण्ठा सुशोभित है। इसमें मंगल का विधान रचते पुष्प अर्पित हैं। बीच में सूर्य देव बनाए गए हैं। सोने से बना हुआ कण्ठा हीरे, माणिक्य और पन्नों से जड़ा है। कण्ठे के नीचे पन्ने की लड़ियां लगाई गयी हैं। **कौस्तुभमणि**– यह दिव्य आभूषण भगवान श्रीराम के हृदय में धारण कराया गया है। इस दुर्लभ आभूषण को बड़े माणिक्य और हीरों के अलंकरण से सजाया गया है। यह शास्त्र-विधान है कि भगवान विष्णु और उनके अवतार हृदय में कौस्तुभमणि धारण करते हैं। इसलिए इसे धारण कराया गया है।

**पदिक**–कण्ठ से नीचे तथा नाभिकमल से ऊपर पहनाए गए आभूषण को पदिक कहा जाता है। विद्वानों की राय में देवताओं के श्रृंगार और अलंकरण में इसका विशेष महत्त्व होता है। रामलला ने जो पदिक पांच लड़ियों वाला हीरे और पन्ने से जड़ित पंचलड़ा या पदिक धारण किया है, इसके नीचे एक बड़ा सा अलंकृत पेण्डेंट भी लगाया गया है। **वैजयन्ती या विजयमाल**–भगवान श्रीराम के बालस्वरूप को वैजयन्ती या विजयमाल से भी सजाया गया है। यह स्वर्ण निर्मित हार भगवान को पहनाया जाने वाला तीसरा और सबसे लम्बा है। इसमें कहीं-कहीं माणिक्य लगाये गये हैं। इसे विजय के प्रतीक के रूप में पहनाया जाता है। इसमें वैष्णव परम्परा के समस्त मंगल-चिह्न- सुदर्शन चक्र, पद्मपुष्प, शंख और मंगल-कलश दर्शाया गया है। इसमें पांच प्रकार के देवता को प्रिय पुष्पों का भी अलंकरण किया गया है। पांच फूलों में- कमल, चम्पा, पारिजात, कुन्द और तुलसी हैं। **कमर में कांची या करधनी**– भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप को कमर में करधनी धारण करायी गयी है। इस रत्नजडित करधनी को सोने से तैयार किया गया है। इसमें प्राकृतिक सुषमा का अंकन है। हीरे, माणिक्य, मोतियों और पन्ने से अलंकृत इस आभूषण से पवित्रता का बोध होता है। छोटी-छोटी पांच घण्टियां भी इसमें लगाई गई हैं। इन घण्टियों से मोती, माणिक्य और पन्ने की लड़ियों भी लटक रही हैं।

**भुजबन्ध या अंगद**– आजानुबाहु कहे जाने वाले प्रभु श्रीराम के हाथ घुटने तक लंबे हैं। बाल स्वरूप भगवान की दोनों भुजाओं में स्वर्ण और रत्नों से जड़ित दिव्य भुजबन्ध पहनाये गए हैं। **कंकण / कंगन**– प्रभु श्रीराम के दोनों ही हाथों में रत्नजडित सुन्दर कंगन पहनाये गए हैं। **मुद्रिका**– प्रभु श्रीम राम के बाएं और दाएं दोनों हाथों की मुद्रिकाएं (अंगूठी) रत्नजडित हैं। दोनों सुशोभित मुद्रिकाओं से मोतियां भी लटक रही हैं। **पैरों में छड़ा और पैजनियां**– रामलला के चरणों में छड़ा और पैजनियां पहनाये गये हैं। साथ ही स्वर्ण की पैजनियां भी पहनाई गई है। **भगवान के बाएं हाथ**– रामलला के बाएं हाथ में स्वर्ण धनुष है। इनमें मोती, माणिक्य और पन्ने की लटकनें लगी हैं। इसी तरह दाहिने हाथ में स्वर्ण बाण धारण कराया गया है। **भगवान के गले में**– प्रभु श्रीराम के इस अलौकिक स्वरूप में रंग-बिरंगे फूलों की आकृतियों वाली वनमाला धारण करायी गयी है। इसका निर्माण हस्तशिल्प के लिए समर्पित संस्था-शिल्पमंजरी ने किया है। **भगवान के मस्तक पर**– प्रभु श्रीराम के मस्तक पर पारम्परिक मंगल-तिलक देखा जा सकता है। हीरे और माणिक्य से रचे तिलक से इनका स्वरूप और अलौकिक हो गया है।

**भगवान के चरणों के नीचे**– प्रभु श्रीराम के चरणों के नीचे कमल सुसज्जित है। इसके नीचे एक स्वर्णमाला सजाई गई है। इसके अलावा भगवान के प्रभा-मण्डल के ऊपर स्वर्ण का छत्र लगा है।

### करीब 200 किलोग्राम वजनी है रामलला की श्यामल मूर्ति

अयोध्या में रामलला की श्यामल वर्ण वाली मूर्ति का वजन करीब 200 किलोग्राम है। इसकी कुल ऊंचाई 4.24 फीट, जबकि चौड़ाई तीन फीट है। कमल दल पर खड़ी मुद्रा में मूर्ति, हाथ में तीर और धनुष है। कृष्ण शैली में मूर्ति बनाई गई है। मूर्ति श्याम शिला से बनाई गई है, जिसकी आयु हजारों साल होती है। मूर्ति को जल से कोई नुकसान नहीं होगा। चंदन, रोली आदि लगाने से भी मूर्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

### बालस्वरूप राम लला के लिए चांदी के खिलौने

न्यास ने बताया कि अयोध्या के राम मंदिर में पांच वर्ष के बालक-रूप में श्रीरामलला विराजे हैं, इसलिए पारम्परिक ढंग से उनके सम्मुख खेलने के लिए चांदी से निर्मित खिलौने भी रखे गये हैं। खिलौनों में झुनझुना, हाथी, घोड़ा, ऊंट, खिलौनागाड़ी और लट्टू शामिल हैं।

# श्री रामोत्सव पर्व - रामधुन पर झूमा ज़िला, हुए भव्य कार्यक्रम और धार्मिक अनुष्ठान

❖ शहरभर में देखा गया राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का सजीव प्रसारण।

❖ मंत्रोच्चार, जय श्रीराम उद्घोष से गुंजायमान हुआ वातावरण, मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु।

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

**लखीमपुर खीरी।** सप्तपुरियों में प्रथम श्रीअयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के बाल रूप विग्रह का प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर जनपद खीरी में उत्सव का माहौल है। घरों पर लहराते ध्वज, मंदिरों से लेकर बाजार, सरकारी भवनों, दफ्तरों, मोहल्लों में सजीं रंग-बिरंगी लाइटें, जगह-जगह पर होने वाले भंडारे आकर्षण का केंद्र बने हुई हैं।

**शहर में जय श्रीराम...** अंगना मैं सजाऊंगी राम आएंगे, सजा दो घर गुलशन सा, मेरे राम आए हैं जैसे भक्ति गीतों की धुनों पर नाचते-गाते भक्त... हर जगह यही नजारे थे। मंदिरों में जहां एक ओर सुंदरकांड, अखंड रामायण के पाठ चल रहे वही दूसरी ओर श्रद्धालुओं की लंबी कतारे लगी रही।

**श्री रामोत्सव पर्व -** डीएम आवास द्वार पर हुआ भव्य भंडारा, डीएम ने परिवार संग परोसा प्रसाद

अयोध्या धाम में ÷श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा÷ पर डीएम आवास के मुख्य प्रवेश द्वार पर भव्य भंडारा हुआ, जिसका डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने अपनी धर्मपत्नी अल्पना सिंह, दोनों पुत्री मिशिका और मायरा के साथ पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन कर भव्य भंडारे का शुभारंभ किया। सर्वप्रथम गोमाता और कन्याओं को भोजन प्रसाद कराके भंडारे की शुरुआत हुई। डीएम में पत्नी संग स्वयं भंडारे का प्रसाद परोसा। इसके बाद डीएम ने सीडीओ अनिल कुमार सिंह, एडीएम संजय कुमार सिंह सहित सभी बड़ी संख्या में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ प्रसाद ग्रहण किया।

**खुशी से खिल उठे चेहरे डीएम ने कुष्ठ रोगियों को भेंट किया फल-कम्बल**

सीडीओ ने वृद्ध आश्रम एवं जिले चिकित्सालय में भी बाटे फल और कंबल जिला प्रशासन के तत्वावधान में अयोध्या धाम में ÷श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा÷ पर शहर के कुष्ठ आश्रम हाथीपुर, वृद्ध आश्रम नौरंगाबाद और जिला चिकित्सालय ओयल में फल और कंबल वितरण कार्यक्रम हुआ। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने सीडीओ अनिल कुमार सिंह सहित अपनी पूरी प्रशासनिक अफसरो की टीम संग हाथीपुर कोठार मोहल्ले में संचालित कुष्ठ आश्रम में पहुंचकर कुष्ठरोगियों को फल और कंबल वितरित किए। डीएम ने कुष्ठ रोगियों तथा उनके परिजनों का कुशल क्षेम पूछा। इस दौरान कुष्ठ पीड़ितों ने जय श्री राम का उद्घोष करते हुए अफसर का अभिवादन किया।

इसके बाद अफसरों की टीम वृद्धाश्रम में पहुंचकर वृद्ध व असहाय लोगों को मिष्ठान, फल व कंबल आदि वितरित कर हालचाल लिया। सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने वृद्धजनों को हर संभव मदद दिलाने का भी भरोसा दिया। इसके बाद जिला चिकित्सालय ओयल में पहुंचकर मरीज व उनके तीमारदारों को फल वितरित किया।

**श्री जानकी जीवन मन्दिर में एसडीएम श्रद्धा सिंह ने कराया कन्या भोज**

शहर के श्री जानकी जीवन मंदिर में गत दिवस को शुरू हुई श्री रामचरितमानस अखंड पाठ आज पूर्ण हुई। इस मोके पर डीएम की धर्मपत्नी, जिला आकांक्षा समिति अध्यक्ष श्रीमती अल्पना सिंह, एसपी की पत्नी कोमल साहा ने राजगोपाल मन्दिर ट्रस्ट श्री अयोध्या जी अधिकृत प्राधिकारी (रिसीवर) एसडीएम (सदर) श्रद्धा सिंह के साथ अखंड पाठ पूर्ण होने पर श्री रामचरितमानस की आरती करके प्रसाद वितरण किया। इसके बाद उन्होंने कन्याओं का पूजन अर्चन कर प्रसाद परोसा और उनका आशीर्वाद लिया।

# 138 एन.आई. एक्ट से संबंधित विशेष लोक अदालत में हुआ 23 वादों का निस्तारण एवं 26,27,749/- हुआ का सेटेलमेन्ट

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

**हापुड़।** जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मलखान सिंह की अध्यक्षता में एवं डॉ0 रीमा बंसल, अपर जिला जज व नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत एवं छाया शर्मा, अपर जिला जज व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में 138 एन.आई. एक्ट के वादों से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन सोमवा को किया गया गया जिसमें सभी न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालयों द्वारा कुल 697 वाद चिन्हित करते हुए कुल 23 वादों का निस्तारण किया। जिसमें से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, हापुड़ विकास कुमार द्वारा कुल 2 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें 7 लाख रुपये का सेटेलमेन्टकिया गया। तो वही सिविल जज (जू0डि0) व न्यायिक मजिस्ट्रेट, गढ़मुक्तेश्वर द्वारा 1 वाद का निस्तारण किया गया, जिसमें मु0 1 लाख रूपये का सेटलमेंट, किया गया। अपर सिविल जज (जू0डि0)/न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम गढ़मुक्तेश्वर द्वारा 1 वाद का निस्तारण किया गया, जिसमें मु0 1 लाख 2 हजार रूपये का सेटलमेंट किया गया। सिविल जज (जू0डि0) एफ.टी.सी.-1 द्वारा 6 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें मु0 2 लाख 11 हजार 5 सौ रूपये का सेटलमेंट किया गया। अपर सिविल जज (जू0डि0) प्रथम, हापुड़ द्वारा 3 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें मु0 15 लाख 14 हजार 249 रूपये का सेटलमेंट किया गया एवं अपर सिविल जज (जू0डि0) द्वितीय, हापुड़ द्वारा 10 वादों का निस्तारण किया गया। कुल मिलाकर 26,27,749/- का सेटेलमेन्ट हुआ।

## एक नज़र

### देवी मन्दिर प्रांगण में पूजा पाठ वा मेले का आयोजन किया

द अचीवर टाइम्स अभिषेक राजपूत

**हरदोई।** विकास खण्ड भरावन क्षेत्र के ग्राम पंचायत महिठा के प्राचीन मंदिर मंशा देवी मन्दिर प्रांगण में पूजा पाठ वा मेले का आयोजन किया गया, और शाम को राम लीला करवाया जा रहा , इस अवसर पर मुख्य अतिथि एमएलसी श्री अशोक अग्रवाल ने एलईडी टीवी पर राम लला प्राण प्रतिष्ठा देखी वा गरीबों को कम्बल वितरित किया ,, मौजुद प्रधान श्री जगमोहन शुक्ला प्रधान महिठा, श्री सुशील सिंह जी प्रधान गोड़वा खेम , श्री रामशंकर यादव जमुनीपुर प्रधान, राजेश यादव अवना देवकली प्रधान, आदि प्रधान वा ग्रामीण महिला पुरुष मौजूद रहे।

### श्रीराम का स्मरण करें और उनके आर्दशों पर चलने का प्रण लें: जिलाधिकारी

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

**हरदोई।** अयोध्या में श्रीराम जी की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर जिला प्रशासन की ओर से कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने श्रीराम, सीता, लक्ष्मण तथा हनुमान की पूजा आरती की तथा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों आदि के साथ अयोध्या से श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण देखा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा सम्पूर्ण भारतवासियों के लिए आज का दिन गौरव पूर्ण है और सभी देशवासी श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को धूमधाम से मनाया जा रहा है। उन्होने कहा कि आज के पावन पर्व श्रीराम का स्मरण करें और भगवान के राम के आर्दशों पर चलने का प्रण लें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, नगर मजिस्टेंज्ट प्रशान्त तिवारी, अतिरिक्त मजिस्टेंज्ट, जिला आबकारी अधिकारी, डीडी कृषि, जिला सूचना अधिकारी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं भारी संख्या में दर्शक उपस्थित रहें। श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा उपरान्त उपस्थित जनसमूह में मिष्ठान वितरण किया गया।

### ज्ञानेश्वर मिश्र समाजवाद की चलती फिरती पाठशाला के नाम से विख्यात थे-बबलू प्रधान, जिला अध्यक्ष, सपा, हापुड़

लोहिया ज्ञानेश्वर मिस्र की पुण्यतिथि पर समाजवादियों ने किया याद

द अचीवर टाइम्स ब्यूरो रिपोर्ट चेतन कुमार

**हापुड़।** बुलंदशहर रोड स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पार्टी जिला अध्यक्ष आनंद गुर्जर उर्फ बबलू प्रधान की अध्यक्षता में दिन सोमवार को समाजवादी चिंतक दार्शनिक एवं छोटे लोहिया ज्ञानेश्वर मिस्र की चौधरी पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माला अर्पण कर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। तो वही समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष ने बताया कि ज्ञानेश्वर मिश्र समाजवाद की चलती फिरती पाठशाला के नाम से विख्यात थे उनका बिना किसी जाति पाती भेदभाव के सभी से मिलना उनकी दैनिक दिन चर्चा में शामिल था उनके आवास पर लोहिया के लोग का बोर्ड आज भी लगा हुआ है श्रद्धा का निवास भवन समाजवादियों के लिए किसी तीर्थ स्थल से काम नहीं है और वे महंगाई भ्रष्टाचार के विरोधी व हिंदी भाषा के प्रबल समर्थक रहे हैं। लोकतंत्र में अधिकार एवं कर्तव्य के लिए जागरूकता अभियान चलाने को समाजवाद की पाठशाला का अहम हिस्सा मानते रहे हैं। आज देश में महंगाई भ्रष्टाचार गुंडागर्दी चरम सीमा पर है अपराधी भू माफिया को एवं छात्र बोल वाला है सरकार अंकुश लगाने में फेल होती नजर आ रही है देश में बहन बेटियां सुरक्षित नहीं है। किसान मजदूर व मजबूर है बेरोजगार आंदोलन कर रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है समाजवादियों को संघर्ष करके जन आंदोलन करने के लिए आगे आना है ज्ञानेश्वर मिश्र की जीवन गाथा से हमें यही प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर अख्तर मालिक पदम सिंह जाटव, श्याम सुंदर भुर्जी, इकबाल कुरैशी, नीरज कुमार, जावेद, जड़ोदिया, जाहिर, पहलवान, अजहर कुरेशी,शहजाद, मेहंदी हसन, रशीद, खलील, शब्बू,संध्या सिंह यादव, पुरुषोत्तम वर्मा व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# अयोध्या राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा में आप सभी सम्मिलित हैं कार्यक्रम का किया आयोजन

❖ढकवा निवासी क्षेत्रीय ग्रामीणों को राम मय भजन कीर्तन कराकर भाव-विभोर किया क्षेत्रीय लोगों ने राम रस पान किया।

❖क्षेत्रीय लोगो ने राम भजन कीर्तन श्रवण कर अपने आप आनन्दित महशूश किया।

द अचीवर टाइम्स - महेन्द्र कुमार

**हसनगंज (उन्नाव)।** हसनगंज ब्लाक क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम ढकवा जगदीशपुर में भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर ढकवा जगदीशपुर में स्थित भुइयां माता मंदिर में भजन-कीर्तन कार्यक्रम का किया आयोजन। समाजसेवी बबली वर्मा व रामकुमार वर्मा ने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का किया श्रीगणेश। आयोजक बबली वर्मा ने ग्रामीणों को राम मय रंग में रंगने का किया प्रयास। पुरुषो की अपेक्षा महिलाओं ने भी राम आगमन भजन-कीर्तन गीतों का किया गुणगान। कार्यक्रम 11बजे से 5 बजे तक चला जिसमें ग्रामीणों व क्षेत्रवासियों का लगा रहा तांता। राम भक्तों के घर-घर जाकर समाजसेवी बबली वर्मा ने प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम किया किया समापन। जिसमें समाजसेवी रामकुमार वर्मा, सन्त राम , छोटे लाल, डॉक्टर महेन्द्र सिंह, दीपक कुमार , डॉक्टर दिलीप सिंह महेन्द्र कुमार बाबू लाल, अवधेश वर्मा, सुनील वर्मा, रामचरन पूर्व प्रधान एडवोकेट मोहनलाल सहित महिला / पुरुष सैकड़ों ग्रामीण रहे उपस्थित।

### श्री राम भगवान की प्राण प्रतिष्ठा होने से भक्तो ने किया हवन पूजन और भंडारे का आयोजन

द अचीवर टाइम्स कुन्दन सिंह

हसनगंज उन्नाव। ब्लाक क्षेत्र की ग्राम पंचायत निदेमऊ के कटरा में श्री राम भगवान जी के दीवाने भक्तों ने रामचरितमानस पाठ समापन होने के पश्चात हवन पूजन कर किया भंडारे का आयोजन। कटरा में हनुमान मंदिर प्रांगण में ग्रामवासी नवयुवकों ने रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया और जब पाठ समापन हुआ तो हवन पूजन किया हवन-पूजन होते ही देवी स्वरूप कन्याओं को बैठालकर बूंदी, पूड़ी सब्जी का प्रसाद वितरण किया और आने जाने वाले भक्तों को भी प्रसाद वितरण किया जिसमें ग्राम वासी कोटेदार सिताब सिंह संगम मौर्य संदीप सिंह राघवेंद्र सिंह राम लखन सिंह ईश्वर लाल भारती हिमांशु सिंह राम प्रताप सिंह रूप प्रताप सिंह आनन्द मौर्य सोनू रावत सुरेन्द्र सिंह सचिन सिंह डॉ शिवधन सोनवानी विनोद कुमार नीरज कुमार अखिलेश यादव श्री कृष्ण यादव पवन सिंह सुनील राजपूत अरविंद सिंह शिव प्रताप सिंह शिवा सिंह जितेन्द्र सिंह जेडी अजीत सिंह छोटू अजीत सिंह डीजे दीपक कुमार सिंह आदि लोगों के सहयोग से सम्पन्न हुआ भंडारा।

### प्रभु राम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर रामचरित मानस पाठ व भंडारे का आयोजन किया गया

संवाददाता

**सीतापुर।** जहां आयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया गया। वही सीतापुर के मछरेहटा नहर चौराहा जलालपुर रोड़ निकट भारासैनी मंदिर पर राम चरित का पाठ किया गया उसके उपरान्त क्षेत्र के सभी राम भक्तों के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया। इस अवसर पर क्षेत्र की भारी मात्रा में कन्याओं एवं क्षेत्र की जनता ने प्रसाद ग्रहण किया इस अवसर पर तमाम श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पूजा पाठ आदि भी किया जहां पर मौजूद मुख्य सहयोगी के द्वारा विष्णु कांत अवस्थी, कौशल अवस्थी,अनिल अवस्थी (ज्ञानू), (पत्रकार) सुधांशु अवस्थी,आयुष अवस्थी, मोहित अवस्थी, दिलीप राजपूत,पवन राजपूत समेत सैकड़ों रामभक्त मौजूद रहे

## प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के दिन मंदिरों में की गई पूजा अर्चना

# तहसील रामनगर के क्षेत्र में जगह-जगह हुआ भंडारे का आयोजन

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला

**रामनगर बाराबंकी।** तहसील रामनगर क्षेत्र के मंसाराम बाबा आश्रम अमलोरा में हनुमान जी महोत्सव यज्ञ के उपलक्ष्य में आज झंडा रोहण किया गया और बताया कि 7 फरवरी से प्रत्येक वर्ष की भांति यज्ञ समारोह किया जाएगा। क्षेत्रवासियो ने मंदिर की साफ सफाई की गई और सुंदर कांड का पाठ किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालु विजय मिश्रा, रूपनारायण शुक्ला, अनिल मिश्रा, राजन शुक्ला, रामगोपाल रावत, रमेश चौधरी, राजकुमार यादव,अजय तिवारी, रज्जनलाल मिश्रा, मोहम्मद हफीज, मनोज कुमार रावत, विक्रम वर्मा सहित सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित रहे। संकट मोचन हनुमान मंदिर रानीबाजार में राजेंद्र यादव के संयोजन में धार्मिक कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर कौशल शुक्ला, गब्बर सिंह, नंदू आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे। रानी बाजार गणेश मार्केट में भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में जय गुरुदेव का सत्संग किया गया और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम प्रधान सिरौलीकला श्रीकांत शुक्ला, राजू शुक्ला अनिल शुक्ला, गणेश तिवारी, पुनीत शुक्ला आज श्रद्धालु उपस्थित रहे पंडित जितेंद्र मिश्रा ने विधि विधान से पूजा अर्चना कराई। रामनगर ब्लाक प्रमुख संजय तिवारी के निज निवास ग्राम मझौनी में स्थित शिव मंदिर पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया तथा शाम 7ः00 बजे से आयोजित कवि सम्मेलन में क्षेत्र के प्रसिद्ध कवियों द्वारा अपनी रचनाएं प्रस्तुत की गई।

लोधेश्वर महादेवा में पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें मंडल अध्यक्ष कमलेश शुक्ला, महादेव मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र प्रताप सिंह, दिनेश बाजपेई ग्राम रोजगार सेवक संघ के जिला अध्यक्ष आकाश त्रिपाठी दीपक सिंह सचिन शंकर वर्मा अमित कुमार, संदीप वर्मा आदि उपस्थित रहे। रामनगर कोतवाली में हनुमान मंदिर में पूजा पाठ कर भंडारे का आयोजन प्रभारी निरीक्षक रत्नेश पांडे के संयोजन में किया गया। इसी क्रम में रामनगर चौराहे पर पूजा पाठ कर विशाल भंडारे का आयोजन नगर के व्यापारियों के संयोजन में हुआ इस मौके पर बृजेश शुक्ला, मनोज शुक्ला, मोहित शुक्ला,हर्ष कुमार गुप्ता,संतोष शुक्ला, सभासद टिंकू तिवारी,ज्ञानू शुक्ला, कुलदीप, राजा समेत तमाम भक्त उपस्थित रहे।

### प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में गुरु मुस्कान किन्नर के द्वारा भव्य कंबल वितरण व भंडारे का किया गया आयोजन

द अचीवर टाइम्स अखिलेश दास

**टिकैतनगर, बाराबंकी।** आज श्री राम जी की जन्मभूमि अयोध्या नगरी में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम टेंट से अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संघ प्रमुख मोहन भागवत व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा महा महोत्सव संपन्न कराया,और भगवान राम लाल अपने मंदिर में विराजमान हो गए, इसको लेकर पूरा देश राममय हो गया है जिसको लेकर किन्नर समाज भी प्रभु श्री राम की भक्ति में भाव मगन है,बाराबंकी टिकैतनगर पिपराहा चौकी के पास में रहने वाली गुरु मुस्कान किन्नर ने भी श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के शुभ अवसर पर आज विशाल भंडारे एवं कंबल वितरण का आयोजन किया जिसमें स्थानीय लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तो वहीं कड़ाके की ठंड में कंबल पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे,भगवान और प्रसाद स्वरूप भगवान श्री राम के नाम का भंडारा खाकर लोगों ने जय श्री राम के नारे भी लगाए, गरीब जरुरतमंदो ने कम्बल पाकर उनके चेहरे खिल उठे और उनको ठण्ड से राहत मिलेगी इस मौके पर मौजूद रहे राजू प्रधान जगराबसावन पुर आकाश सिंह अजय चौधरी करन सिंह पीठादिश पूजा किन्नर लाली किन्नर सौम्या किन्नर नूरी किन्नर सुफिया सहित कई लोग मौके पर मौजूद रहे।

### तीन गांवों में चोरों ने की साढ़े चार लाख की चोरी, फायरिंग कर भागे

द अचीवर टाइम्स अखिलेश दास

**बाराबंकी।** जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में चोरो ने एक ही पंचायत के तीन गांवों में रविवार की रात जमकर उत्पात मचाया। दो घरों से साढ़े चार लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण व नगदी बटोर ले गए। वहीं दो घरों में चोरी करने के दौरान असफल बदमाशों ने फायरिंग कर बचाव करते हुए भागने में सफल रहे। इसकी सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। रविवार की रात जहांगीराबाद थाने की टेरा ग्राम पंचायत के गदईपुरगांव निवासी सुरेंद्र के घर में पीछे के रास्ते से दाखिल हुए चोर अलमारी व बक्से का ताला तोडकर उसमें रखे करीब ढाई लाख रुपये कीमत के सोने- चांदी के आभूषण और 15 हजार रुपये की नगदी तथा पडोस में रहने वाले अजय के घर से डेढ़ लाख रुपये कीमत के गहने व 38 हजार रुपये ताला तोडकर चोरी कर ले गए। वहीं मंशापुरवा निवासी राजकुमार के घर में ताला तोड़ने के दौरान घर वालों के जगाने और शोर मचाने पर चोर फरार हो गए। इसके बाद चोरों ने हाजीहार गांव में लवकुश के घर में धावा बोला। खटपट की आवाज सुनकर लवकुश ने शोर मचाया। उसके बाद ग्रामीणों के संग चोरों को पीछा किया गया तो वह फायरिंग कर

### 15 वर्षों से लापता चल रहे हिस्ट्रीशीटर अपराधी को धौलाना पुलिस ने किया गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स/चेतन कुमार

**हापुड़।** पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में हिस्ट्रीशीटर व शातिर अभियुक्तों की निगरानी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना धौलाना पुलिस उप निरीक्षक मनोज कुमार व हेड कांस्टेबल पंकज कुमार ने करीब 15 वर्षों से लापता चल रहे हिस्ट्रीशीटर अपराधी शाहिद पुत्र बहादुर निवासी ग्राम पिपलैडा थाना धौलाना को शीकर राजस्थान से तलाश कर नफीस योजना के अंतर्गत फिंगरप्रिंट कराकर डोजियर तस्दीक के माध्यम से गिरफ्तार किया है।

# जिलाधिकारी ने किया नव निर्मित श्रीराम पुस्कालय का लोकापर्ण

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

**हरदोई।** अयोध्या में श्रीराम जी की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण शास्त्री के साथ महार्षि दयानन्द इंटर कालेज में नव निर्मित श्रीराम पुस्कालय का लोकापर्ण दीप प्रज्जवलित कर, शिलापट से पर्दा हटाकर एवं पुस्तकालय कक्ष का फीता काट कर किया और श्रीराम पुस्तकालय में रखी किताबों को देखा इसके बाद डीएम नव निर्मित दिव्यांग पथ का भी पर्दा हटाकर जिलाधिकारी ने लोकापर्ण किया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री बब्बन ने अपने सम्बोधन में कहा कि श्रीराम पुस्तकालय की स्थापना से छात्र-छात्राओं में शैक्षिक एवं धर्म ज्ञान की जानकारी एक साथ होगी। जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रबंधन को बधाई देते हुए कहा कि श्रीराम पुस्तकायल बन जाने से छात्रों में धर्म के प्रति उत्साह जागेगा। उन्होने विद्यालय प्रबंधन से कहा कि इस पुस्तकालय को ऑनलाइन संचालित करायें ताकि बच्चे सभी जानकारी अच्छी तरह प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक रजीव रंजन मिश्र, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

# रामलला के दर्शन का सपना जल्द पूरा होगा, रोडवेज ने अयोध्या के लिए 590 बसों का बेड़ा उतारा

एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या में रामलला के दर्शन का सपना देख रहे लोगों की मुराद जल्द ही पूरी होगी। बड़ी संख्या में लोग रामलला के दर्शन कर सकें इसके लिए 590 बसों का बेड़ा उतार दिया गया है। श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दर्शन कराने के लिए रोडवेज लगभग 590 बसों का बेड़ा उतार रहा है। यह बसें अयोध्या से विभिन्न मार्गों पर चलाई जाएंगी। व्यवस्था के लिए कर्मचारियों को लगा दिया गया है। सोमवार को तत्काल प्रभाव से यह व्यवस्था लागू कर दी गई। श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु गैर जनपदों से पहुंचे हैं। उन्हें वापस पहुंचना है साथ ही रामलला का दर्शन करने के लिए लोग आने वाले हैं। इसके मद्देनजर रोडवेज विभाग ने तत्काल प्रभाव से तैयारी की है। सोमवार को चार बजे से ही इस व्यवस्था को संचालित करने का निर्देश दिया गया है। व्यवस्था के लिए अयोध्या बस

स्टेशन, साकेत पुल बालू घाट, सहादतगंज पुलिस चौकी चौराहा, नाका चौराहा पर दो शिफ्टों में कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अयोध्या बस स्टेशन से लखनऊ, रायबरेली, आजमगढ़ के लिए साकेत पुल बालू घाट से गोरखपुर और गोंडा रूट पर, सहादतगंज पुलिस चौकी चौराहा से आजमगढ़, गोरखपुर, नाका चौराहा से वाराणसी, प्रयागराज और चित्रकूट रोड पर बसे चलाई जाएंगी। बताया गया है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद रोडवेज बसों के संचालन को लेकर प्रधान प्रबंधक (तकनीकि) एसएल शर्मा और क्षेत्रीय प्रबंधक विमल राजन ने बैठक में लिया और तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया। अकबरपुर-आजमगढ़/वाराणसी के रूट पर प्रस्थान करने वाले बसों की अनुमानित संख्या 100 होगी। बाराबंकी-लखनऊ रोड पर 250, बस्ती गोरखपुर रोड पर 100 और सुल्तानपुर-प्रयागराज रोड पर कुल 70 का प्रतिदिन है। क्षेत्रीय प्रबंधक राजन ने बताया कि अयोध्या से श्रद्धालुओं को लाने ले जाने के लिए बसों का संचालन शुरू कराया जा रहा है। जरूरत पर दूसरे स्थानों से बसें मंगवाई जाएंगी।

# 45 मिनट चली प्राण प्रतिष्ठा, 16 जनवरी से शुरू हुआ था अनुष्ठान

# रोज होती थी 10 घंटे पूजा

एजेंसी

**लखनऊ।** रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 45 मिनट चली। प्राण प्रतिष्ठा का यह अनुष्ठान 16 जनवरी से ही शुरू हो गया था। इसके लिए रोजाना कई घंटे पूजा होती थी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान सोमवार को 45 मिनट तक चला। इस अनुष्ठान का शुभारंभ 12ः10 बजे संकल्प के साथ हुआ था जबकि पूर्णाहुति मूर्ति और देवताओं के निमित्त किए गए हवन से हुई। प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 16 जनवरी को प्रायश्चित पूजन से शुरू हुआ था। रोजाना आठ से दस घंटे पूजा होती रही। प्राण प्रतिष्ठा से पहले रोज की तरह वैदिक आचार्यों ने रामलला को वैदिक मंत्रों से जगाया। इसके बाद वैदिक मंत्रों से मंगलाचरण हुआ। प्राण प्रतिष्ठा के बाद यज्ञ मंडप में

वसोधारा पूजन हुआ। ऋग्वेद और शुक्ल यजुर्वेद की शाखाओं का होम और परायण हुआ। इसके बाद शाम को अग्नि में नारियल डालकर उस पर घी की धारा अर्पित की गई। इसके बाद हवन कर देवताओं का विसर्जन किया गया। इससे पहले 16 जनवरी को प्रायश्चित पूजन व कर्मकुटी पूजन किया गया। 17 जनवरी को जलयात्रा के साथ कलश स्थापना हुई। 18 जनवरी को गणेश अंबिका पूजन, मंडप प्रवेश, यज्ञभूमि और वास्तुपूजन हुआ। इसके बाद मूर्ति के अधिवास शुरू हुए। 19 जनवरी को औषधाधिवास, के सराधिवास, घृताधिवास और धान्याधिवास हुए। 20 जनवरी को राममंदिर के परिसर में 81 कलशों की स्थापना और पूजा हुई। फिर शर्कराधिवास और फलाधिवास हुआ। 21 जनवरी को अस्थाई मंदिर में विराजमान रामलला की मूर्ति को नए मंदिर में विराजित किया गया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में फिल्मी दुनिया की हस्तियां भी मौजूद रहीं। प्रख्यात भजन गायिका अनुराधा पौड़वाल, सोनू निगम व शंकर महादेवन ने प्राण प्रतिष्ठा से पहले रामलला को भजन सुनाए। समारोह के दौरान 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्र की मंगल ध्वनि से परिसर गूंजता रहा। इस मांगलिक संगीत कार्यक्रम के संयोजक साहित्यकार यतींद्र मिश्र रहे। गायक सोनू निगम ने मंगल भवन अमंगल हारी... की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी क्रम में अनुराधा पौडवाल ने पायो जी मैने रामरतन धन पायो...की प्रस्तुति देकर सभी को निहाल कर दिया। गायक शंकर महादेवन ने श्रीराम की स्तुति श्रीरामचंद्र कृपालु भज मन हरण भय भव दारुणम्...की प्रस्तुति देकर सभी को आनंदित कर दिया। समारोह में मौजूद मेहमान भी श्रीराम की स्तुति से भक्तिभाव में डूब गए। इनके अलावा पखावज, वीणा, संतूर, असम का नगाड़ा, दिल्ली की शहनाई, मृदंग आदि वाद्य यंत्रों के वादन से रामजन्मभूमि परिसर दो घंटे तक गूंजता रहा।

## एक नज़र

### मौसम में थोड़े सुधार के साथ ही खुले स्कूल, मंगलवार से बदले हुए समय के साथ चलेंगी कक्षाएं

एजेंसी

**लखनऊ।** प्राथमिक स्कूलों में ठंड की वजह से चली आ रही छुट्टियां खत्म हो गयी हैं। मंगलवार से स्कूल बदले हुए समय से खुलेंगे। सोमवार को मौसम बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहा। इसी के साथ प्राथमिक कक्षाओं में चल रही छुट्टियां खत्म हो गई। हालांकि स्कूल का टाइमिंग बदला हुआ रहेगा। डीएम सूर्यपाल गंगवार ने सोमवार से स्कूल खोलने का आदेश जारी कर दिया। प्राथमिक से लेकर 12वीं तक के सभी सरकारी, गैर सरकारी व निजी स्कूल समय में बदलाव के साथ खोलने की अनुमति दी है। स्कूलों का समय सुबह 10 से दोपहर तीन बजे कर दिया गया है। यह भी कहा गया कि जिन स्कूलों में संभव हो, ऑनलाइन कक्षाएं चलाई जा सकती हैं। कक्षाओं में पढ़ाई के दौरान ठंड से बचाव के इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

### मंगलवार से आम लोग कर सकेंगे दर्शन, जानिए मंदिर खुलने और बंद होने का समय

एजेंसी

**लखनऊ।** प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंगलवार से मंदिर आम भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा। प्रतिमा शिफ्ट होने की वजह से 20 जनवरी से भक्त रामलला के दर्शन नहीं कर पा रहे थे। 72 घंटे इंतजार के बाद मंगलवार को रामलला आम श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। सभी भक्तों के लिए नव्य राम मंदिर के द्वार खुल जाएंगे। गर्भगृह में विराजमान आराध्य के साथ नवीन विग्रह को भी श्रद्धालु निहार सकेंगे। भीड़ बढ़ने पर रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट दर्शन की अवधि को विस्तार देगा। अस्थायी मंदिर में विराजमान रामलला के दर्शन 20 जनवरी की सुबह से बंद कर दिए गए थे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों को फाइनल टच देने के उदेश्य से ट्रस्ट ने यह निर्णय किया था। इस बीच रविवार की रात विराजमान रामलला के विग्रह को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नव्य मंदिर में स्थापित करने के लिए पुजारियों को सौंपा। अब सोमवार को नवीन विग्रह की स्थापना के बाद मंगलवार से राम मंदिर में दोनों विग्रहों के दर्शन सभी श्रद्धालुओं को सुलभ हो सकेंगे। दर्शन की शुरुआत सुबह सात बजे से होगी। पहली पाली में पूर्वाह्न 11ः30 बजे तक दर्शन हो सकेंगे। इसके बाद दूसरी पाली में दोपहर दो बजे से शाम 6ः30 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। यदि भक्तों की भीड़ बढ़ी तो दर्शन की अवधि को बढ़ा दिया जाएगा। इस बीच सोमवार को भी आम श्रद्धालु रामलला के दर्शन नहीं कर सके। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद सिर्फ विशिष्ट अतिथियों को ही दर्शन कराया गया।

### गर्भगृह में पूजन की तस्वीर पोस्ट कर सीएम योगी बोले, आज जीवन धन्य हो गया... कृतज्ञ हूं, आह्लादित हूं

संवाददाता

**लखनऊ।** अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि आज जीवन धन्य हो गया। अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण में मुख्यमंत्री के रूप में अपनी बेहद सक्रिय भूमिका निभाने वाले सीएम योगी आदित्यनाथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद से ही बेहद खुश नजर आ रहे हैं। समारोह से वापस आने के बाद सीएम योगी ने एक्स पर तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि आज जीवन धन्य हो गया! शताब्दियों की प्रतीक्षा, प्रण और प्रार्थना आज श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ पूर्ण हुई। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक एवं पुण्य अवसर बड़े सौभाग्य से प्राप्त हुआ है। पीढ़ियों के संकल्प की सिद्धि का साक्षी बनकर अभिभूत हूं, कृतज्ञ हूं, आह्लादित हूं। जय श्री राम! शताब्दियों की प्रतीक्षा, प्रण और प्रार्थना आज श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ पूर्ण हुई। सीएम योगी ने कहा कि मैं श्री अयोध्या धाम का यह दृश्य देखकर भावुक हूं, आह्लादित हूं। 500 वर्षों की प्रतीक्षा के उपरांत हमारे प्रभु श्री रामलला का पुनः अपने भव्य मंदिर में विराजमान होना भारत की सांस्कृतिक समृद्धि के नव अध्याय का शुभारंभ है। जय जय श्री राम! 500 वर्षों की प्रतीक्षा के उपरांत हमारे प्रभु श्री रामलला का पुनः अपने भव्य मंदिर में विराजमान होना भारत की सांस्कृतिक समृद्धि के नव अध्याय का शुभारंभ है।

# सीएम योगी बोले, प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल की आधारशिला है हैंडीक्राफ्ट एग्जीबिशन

संवाददाता

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सफेद बारादरी में ग्रामश्री एवं क्राफ्ट रूट्स की हैंडीक्राफ्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एग्जीबिशन से जुड़े हस्तशिल्प प्रेरणा का स्रोत है। वह आत्मनिर्भर होने के साथ ही लोगों को रोजगार दे रहे हैं। हैंडीक्राफ्ट एग्जीबिशन देखने में भले ही छोटी लग रही है, लेकिन यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश में वर्ष 2018 में परंपरागत उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए एक जिला एक उत्पाद का एक अभिनव कार्यक्रम शुरू किया गया। इसमें प्रदेश के सभी 75 जिलों के एक यूनिक प्रोडक्ट का चयन कर उसकी मार्केटिंग की गई। इससे परंपरागत उद्योग को एक नई दिशा और वैश्विक पटल पर पहचान मिली। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कैसरबाग स्थित सफेद बारादरी में आयोजित ग्रामश्री एवं क्राफ्ट रूट्स की हैंडीक्राफ्ट प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में कही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के कारीगरों और हस्तशिल्पियों को प्रोत्साहित करने एवं उनके प्रशिक्षण के लिए विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना चलायी जा रही है। इसके तहत उन्हे मानदेय और टूलकिट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि लैंडलॉक्ड स्टेट कहा जाने वाला उत्तर प्रदेश का दो से तीन वर्ष के अंदर एक्सपोर्ट दो गुने से अधिक हो गया। कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन में गवर्नर आनंदीबेन पटेल ने कई अभिनव प्रयोग किये। उन्होंने इन प्रयोगों से महिला सशक्तीकरण को जोड़ा, जो काम से वंचित थीं। उन्हें जब मौके मिला तो उन्होंने अपने हुनर का प्रदर्शन कर साबित कर दिया कि प्रदेश में पोटेंशियल की कमी नहीं है। आज गवर्नर आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में इसे आगे बढ़ाया जा रहा है। हैंडीक्राफ्ट से जुड़े कारीगर और हस्तशिल्प प्रेरणा का स्रोत हैं क्योंकि वह आत्मनिर्भर होने के साथ दूसरों को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। कोरोना कालखंड में प्रदेश में 40 लाख से अधिक लोग आए। उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना हमारे लिये बड़ा चैलेंज था। ऐसे में सरकार के आह्वान पर प्रदेश की 96 लाख एमएसएमई यूनिट ने इन्हे काम देकर संकट की घड़ी में साबित कर दिया कि उत्तर प्रदेश में कुछ भी असंभव नहीं है। इतना ही नहीं आज प्रदेश की ओडीओपी योजना अमेजॉन और फ्लिपकार्ट जैसी संस्थाओं से जुड़ी हुई हैं और इसे नई पहचान दे रही हैं। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार कर रहे हैंडीक्राफ्ट एग्जीबिशन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने गुजरात से ग्राम स्वराज की नई प्रेरणा दी। यहां पर ग्रामश्री संस्था का जन्म होना सौभाग्य की बात है। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज को आगे बढ़ाते हुए हस्तशिल्पियों और कारीगरों को टेक्नोलॉजी से जोड़ नई दिशा दी है। संस्था हैंडीक्राफ्ट एग्जीबिशन के जरिये देश के विभिन्न राज्यों के कारीगरों की कुशलता को आपस में आदान-प्रदान कर इसे नया रूप दे रही है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल विजन को दर्शाती हैं। सीएम योगी ने कहा कि ग्रामश्री संस्था की तरह अन्य संस्थाओं को भी आगे आना चाहिये ताकि पूरा विश्व देश के कारीगरों के हुनर को जान सके। पहले देश में पर्व और त्यौहार आने पर चीन द्वारा निर्मित सामान देश की मार्केट में छा जाते थे। उनकी कोई क्वालिटी नहीं होती थी। ऐसे में हमने महिला स्वयं सहायता समूह को प्रोत्साहित किया।

# वीवीआईपी को करना पड़ा इंतजार, व्यस्त रहा एयर ट्रैफिक, प्राइवेट प्लेन से आए थे माधुरी-अमिताभ

एजेंसी

**लखनऊ।** अयोध्या में एयरपोर्ट के आसपास मौजूद लोग दिनभर विमानों को उड़ान भरते देखते रहे। इस दौरान एयर ट्रैफिक होने के कारण वीवीआईपी को एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा। श्रीराम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर एयर ट्रैफिक पर रविवार से ही दबाव रहा। सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होने के बाद वीवीआईपी के जाने का दौर शुरू हुआ तो यहां ट्रैफिक बढ़ गया। कई वीवीआईपी को उड़ान भरने के लिए इंतजार करना पड़ा। सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के पहले यहां रुटीन विमानों के साथ ही प्राइवेट चार्टर्ड प्लेन से आने वालों की भीड़ रही।

सोमवार को भी वीवीआईपी प्राइवेट चार्टर्ड विमान से यहां पहुंचे। इनमें महानायक अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, अभिनेत्री माधुरी दीक्षित सहित कई बड़ी हस्तियां शामिल थीं। इनके अलावा अभिनेत्री कैटरीना कैफ, आलिया भट्ट, अभिनेता विक्की कौशल, रणबीर कपूर, आयुष्मान खुराना, फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी, महावीर जैन, रोहित शेट्टी भी सोमवार को ही पहुंचे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह समाप्त होने के लगभग एक घंटे बाद विशिष्ट जनों का प्रस्थान यहां शुरू हुआ तो फिर एयर ट्रैफिक पर दबाव बढ़ गया। रुक-रुक एयरपोर्ट से विमान उड़ते रहे। बाबा रामदेव सनरूफ वाली जगुआर से लोगों का अभिवादन स्वीकार करते निकले। प्राइवेट प्लेन से आने वाले अमिताभ बच्चन, माधुरी दीक्षित, कई बड़े उद्योगपतियों के सरकारी विमान से जाने की बात बताई गई है। एयरपोर्ट के आसपास के लोग सोमवार को दिन भर आसमान में उड़ान भरते विमानों को देखते रहे।

### राममय हुई डिंपल यादव, सोशल मीडिया पर तस्वीर पोस्ट कर दिया ये संदेश

संवाददाता

**लखनऊ।** सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी सांसद डिंपल यादव ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने राम दरबार की तस्वीर पोस्ट कर संदेश दिया है। अयोध्या में सदियों बाद भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं। इस अवसर पर पूरा देश राममय हो गया है और अपनी खुशी जाहिर कर रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने भी इस मौके पर खुशी जाहिर करते हुए राम दरबार की तस्वीर पोस्ट की और लिखा कि ॥ जो करे मर्यादा का मान ॥॥ उस हृदय बसे सियाराम ॥ इसके पहले अखिलेश यादव ने भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि जो मूर्ति पत्थर की थी आज प्राण-प्रतिष्ठा के बाद वो भगवान का रूप ले लेगी... जो रास्ता भगवान राम ने दिखाया, उससे वे मर्यादा पुरूषोत्तम राम कहे गए... उम्मीद है कि भगवान राम ने जिस राम राज्य की कल्पना की थी जिसमें गरीब दुखी ना रहे... हम सब उस रास्ते पर चलेंगे।

# पीएम ने राम से मांगी माफी, संविधान का किया जिक्र, क्या हैं इन बातों के सियासी मायने ?

संवाददाता

**लखनऊ।** पीएम मोदी ने अपने संबोधन में राम से माफी मांगी। साथ ही उन्होंने संविधान का भी जिक्र किया। इन बातों के क्या राजनीतिक मायने हो सकते हैं? प्राण प्रतिष्ठा के बाद पीएम मोदी ने वहां मौजूद जनसमुदाय को संबोधित किया। भावुक और भरे हुए गले से शुरू हुआ यह संबोधन धर्म, समाज और राजनीति के पहलूओं को टटोलता रहा। मोदी ने अपनी बात में भगवान राम से माफी मांगी। उन्होंने कहा ÷मैं आज प्रभु श्री राम से क्षमा याचना भी करता हूं। हमारे पुरुषार्थ, त्याग, तपस्या में कुछ तो कमी रह गई होगी कि हम इतनी सदियों तक यह कार्य कर नहीं पाए। आज वह कमी पूरी हुई है। मुझे विश्वास है कि प्रभु श्री राम आज हमें अवश्य क्षमा करेंगे÷ उनकी इस बात को इस रुप में देखा जा सकता है कि वह राम मंदिर के निर्माण में आई बाधाओं को नए सिरे रेखांकित करना चाह रहे हैं। वह इसे एक गलती साबित करना चाह रहे हैं जाहिर है कि यह गलती उनके पाले में नहीं विपक्ष के पाले में जाएगी। पीएम मोदी ने यहां संविधान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की पहली प्रति में राम विराजमान है। बावजूद इसके राम को अपनी जगह बनाने के लिए लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद करते हुए कहा कि न्याय पालिका ने न्याय की लाज रख ली। संविधान में राम का जिक्र होना और फिर भी राम मंदिर ना बन पाना दोनों बातों को जोड़कर उन्होंने एक संकेत दिया है। यह संकेत बदलाव का भी हो सकता है अपने उद्बोधन में मोदी ने कहा कि 22 जनवरी 2024 का सूरज एक आभा लेकर आया है। यह तारीख नहीं, एक कालचक्र का उदगम है। हमें सदियों के धैर्य की धरोहर मिली है। आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा हुआ राष्ट्र ऐसे ही नए इतिहास का सृजन करता है। आज से हजार साल बाद इस तारीख की चर्चा करेंगे। ये राम कृपा है कि हम सब इस पल को जी रहे हैं। इसे घटित होते देख रहे हैं। ये समय सामान्य समय नहीं है। यह इसलिए क्योंकि रामलला अब टेंट में

नहीं भव्य मंदिर में रहेंगे। यह मंदिर मात्र एक दैव मंदिर नहीं है, यह भारत की दृष्टि का, दर्शन का, दिग्दर्शन का मंदिर है। यह राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है। राम भारत की आस्था हैं, भारत के आधार हैं। राम भारत का विचार है, विधान हैं। चेतना है, चिंतन हैं। प्रतिष्ठा हैं, प्रताप हैं। राम नेकी भी है, नीति भी है। नित्यता भी है, निरंतरता भी हैं। राम व्यापक हैं, विश्व हैं, विश्वात्मा हैं। जब राम की प्रतिष्ठा होती है तो उसका प्रभाव वर्षों, शताब्दियों तक नहीं होता, हजारों वर्षों के लिए होता है। आज अयोध्या भूमि सवाल कर रही है कि श्रीराम का भव्य मंदिर तो बन गया, अब आगे क्या। सदियों का इंतजार तो खत्म हुआ, अब आगे क्या। जो दैवीय आत्माएं हमें आशीर्वाद देने उपस्थित हुई हैं, उन्हें क्या हम ऐसे ही विदा करेंगे। आज मैं पूरे पवित्र मन से महसूस कर रहा हूं कि कालचक्र बदल रहा है। हमारी पीढ़ी को कालजयी शिल्पकार के रूप में चुना गया है। हजारों वर्ष बाद की पीढ़ी हमें याद करेगी। यही समय है, सही समय है। हमें आज इस पवित्र समय से अगले एक हजार साल के भारत की नींव रखनी है। मंदिर निर्माण से आगे बढ़कर सभी देशवासी समर्थ, सक्षम, भव्य, दिव्य भारत के निर्माण की सौगंध लेते हैं। राम के विचार जनमानस में भी हों, यही राष्ट्र निर्माण की सीढ़ी है। हमें चेतना का विस्तार देना होगा। हनुमान जी की भक्ति, उनकी सेवा, उनका समर्पण ऐसे गुण हैं, जिन्हें हमें बाहर नहीं खोजना पड़ता। प्रत्येक भारतीय में भक्ति, सेवा के भाव आधार बनेंगे। यही है देव से देश, राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार। पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासी मां शबरी कब से कहती थी- राम आएंगे। प्रत्येक भारतीय में जन्मा यही विश्वास समर्थ, सक्षम, भव्य भारत का आधार बनेगा। हम सब जानते हैं कि निषाद राज की मित्रता सभी बंधनों से परे है। उनका अपनापन कितना मौलिक है। सब अपने हैं, सभी समान हैं। सभी भारतीयों में अपनत्व की भावना नए भारत का आधार बनेगी। यही देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार है। आज देश में निराशावाद की जगह नहीं है। अगर कोई यह सोचे कि मैं सामान्य और छोटा हूं तो उसे गिलहरी को याद करना चाहिए। यह सिखाएगा कि छोटे-बड़े हर प्रयास की ताकत होती है, योगदान होता है। यही भावना समर्थ, सक्षम, भव्य, दिव्य भारत का आधार बनेगी। लंकापति ज्ञानी रावण ज्ञानी थे, लेकिन जटायु कि मूल्य निष्ठा देखिए। वे महाबली रावण से भिड़ गए। उन्हें पता था कि वे परास्त नहीं कर पाएंगे, फिर भी उन्होंने रावण को चुनौती दी। कर्तव्य की यही परकाष्ठा समर्थ, सक्षम, भव्य, दिव्य भारत का आधार है। आइए हम संकल्प लें कि राम काज से राष्ट्र काज करेंगे। समय का पल-पल, शरीर का कण-कण इसमें लगा देंगे।

## सम्पादकीय

# संविधान में हैं 22 चित्र जिसमें हैं राम कृष्ण, हनुमान, बुद्ध इसलिए अनूठा है भारत

जाहिर है सवाल यह है कि क्या पिछले 45 साल से संविधान की विकृत व्याख्या के जरिए इस देश की सियासत और प्रशासन को परिचालित किया जा रहा है? जिस राम-कृष्ण, हनुमान को शासन के स्तर पर सेक्युलरिज्म के शोर में अछूत मान लिया गया क्या वे संविधान निर्माताओं के लिए भी अस्पृश्य थे?आज का दिन हर भारतीय के लिए बेहद खास है और इसके पीछे की वजह है राम मंदिर का बनकर तैयार होना। हर किसी की नजरें अयोध्या की तरफ है, लेकिन इस बीच आपके लिए संविधान से जुड़े कुछ तथ्यों के बारे में जानना भी जरूरी हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि संविधान में 22 चित्र ऐसे हैं, जिनमें से एक भगवान श्रीराम का भी है। इसके अलावा राम के प्रिय भगवान हनुमान का भी चित्र भारत के संविधान में हैं। तो चलिए जानते हैं इस बारे में विस्तार से... हम मूल संविधान की प्रति उठाकर पन्नों को पलटते हैं तो हमें उसके अंदर सुविख्यात चित्रकार नन्दलाल बोस की कूची से बनाए हुए कुल 22 चित्र नजर आते हैं। इन चित्रों के आधार पर ही हम समझ सकते हैं कि हमारे संविधान निर्माताओं के मन और मस्तिष्क में कैसे आदर्श भारतीय समाज की परिकल्पना रही होगी। इन चित्रों की शुरुआत मोहनजोदड़ो से होती है और फिर वैदिक काल के गुरुकुल, महाकाव्य काल के रामायण में लंका पर प्रभु राम की विजय,गीता का उपदेश देते श्री कृष्ण,भगवान बुद्ध भगवान महावीर,सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म का प्रचार,(मौर्य काल), गुप्त वंश की कला जिसमें हनुमानजी का दृश्य है, विक्रमादित्य का दरबार, नालंदा विश्वविद्यालय, उड़िया मूर्तिकला,नटराज की प्रतिमा, भागीरथ की तपस्या से गंगा का अवतरण,मुगलकाल में अकबर का दरबार, शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह ,टीपू सुल्तान और महारानी लक्ष्मीबाई,गांधी जी का दांडी मार्च,नोआखली में दंगा पीड़ितों के बीच गांधी,नेताजी सुभाषचंद्र बोस,हिमालय का दृश्य,रेगिस्तान का दृश्य,महासागर का दृश्य शामिल है। इन 22 चित्रों के जरिए भारत की महान परम्परा की कहानी बयां की गई है। इनमें राम कृष्ण,हनुमान, बुद्ध, महावीर,विक्रमादित्य, अकबर,टीपू सुल्तान, लक्ष्मीबाई, गांधी,सुभाष,क्यों है? क्या केवल संविधान की किताब को कलात्मक कलेवर देने के लिए ?शायद बिल्कुल नही। असल में यह चित्र भारत के लोकाचार और मूल्यों का प्रतिनिधित्व देने के लिए नन्दलाल बोस से बनवाए गए। यही चित्र संविधान की इबारत के जरिए शासन और सियासत के अभीष्ट निर्धारित किए गए थे। सवाल यह है कि इन्ही 22 चित्रों में नन्दलाल बोस ने रंग क्यों भरा है संविधान की पुस्तक में? इसका बहुत ही सीधा और सरल जवाब यही है कि ये सभी चित्र भारत के महान सांस्कृतिक जीवन और विरासत के ठोस आधार है ये सभी चित्र भारत की अस्मिता के प्रमाणिक अवसरों के दस्तावेज हैं जिनके साथ हर भारतवासी एक तरह के रागात्मक अनुराग जन्मना महसूस करता है। राम-कृष्ण,हनुमान, गीता,बुद्ध,महावीर,नालंदा,गुरु गोविंद असल मे हजारों साल से भारतीय लोकजीवन के दिग्दर्शक हैं। जाहिर है संविधान की मूल रचना में इन्हें जोड़ने के पीछे यही सोच थी की भारत की आधुनिकता और विकास की यात्रा इन जीवनमूल्यों के आलोक में ही निर्धारित की जाना चाहिए। लेकिन दुःखद अनुभव यह है कि पिछले कुछ दशकों ने भारतीय संविधान निर्माताओं की भावनाओं के उलट देश के शासनतंत्र और चुनावी राजनीति के माध्यम से भारत के लोकजीवन को धर्मनिरपेक्षता के शोर से दूषित करने का प्रयास किया गया है। यही धर्मनिरपेक्षता की राजनीति भारत के आधुनिक स्वरूप की समझ और स्वीकार्यता को खोखला साबित करने के लिए पर्याप्त इसलिए है क्योंकि परम्परागत भारत और आधुनिक भारत के मध्य जिस संविधान के प्रावधानों को अलगाव का आधार बनाया जाता है असल में वे आधार तो कहीं संविधान के दर्शन में है ही नहीं। जाहिर है सवाल यह है कि क्या पिछले 45 साल से संविधान की विकृत व्याख्या के जरिए इस देश की सियासत और प्रशासन को परिचालित किया जा रहा है? जिस राम-कृष्ण, हनुमान को शासन के स्तर पर सेक्युलरिज्म के शोर में अछूत मान लिया गया क्या वे संविधान निर्माताओं के लिए भी अस्पृश्य थे।

### रोम-रोम में है बसे, सौरभ मेरे राम।

### 6 प्रभु श्रीराम की स्तुति में डॉ. सत्यवान सौरभ के बाईस दोहे 8

राम नाम है हर जगह, राम जाप चहुंओर।
चाहे जाकर देख लो, नभ तल के हर छोर।।
नगर अयोध्या, हर जगह, त्रेता की झंकार।
राम राज्य का ख्वाब जो, आज हुआ साकार।।
रखो लाज संसार की, आओ मेरे राम।
मिटे शोक मद मोह सब, जगत बने सुखधाम।।
मानव के अधिकार सब, होने लगे बहाल।
राम राज्य के दौर में, रहते सभी निहाल।।
रामराज्य की कल्पना, होगी तब साकार।
धर्म, कर्म, सच, श्रम बने, उन्नति के आधार।।
राम नाम के जाप से, मिटते सारे पाप।
राम नाम ही सत्य है, सौरभ समझो आप।।
मद में डूबे जो कभी, भूले अपने राम।
रावण-सा होता सदा, उनका है अंजाम।।
राम भक्त की धार हैं, राम जगत आधार।
राम नाम से ही सदा, होती जय जयकार।।
जगह-जगह पर इस धरा, है दर्शनीय धाम।
बसे सभी में एक से, है अपने श्री राम।।
राम सदा से सत्व है, राम समय का तत्व।
राम आदि है अन्त हैं, राम सकल समत्व।।
राम-राम सबसे रखो, यदि चाहो आराम
पड़ जायेगा कब पता, सौरभ किससे काम।।
राम नाम से मैं करूँ, मित्रों तुम्हे प्रणाम।
जीवन खुशमय आपका, सदा करे श्रीराम।।
राम-राम मुख बोल है, संकटमोचन नाम।
ध्यान धरे जो राम का, बनते बिगड़े काम।।
रोम-रोम में है बसे, सौरभ मेरे राम।
भजती रहती है सदा,जिह्वा आठों याम।।
उसका ये संसार है, और यहाँ है कौन।
राम करे सो ठीक है, सौरभ साधे मौन।।
हर क्षण सुमिरे राम को, हों दर्शन अविराम।
राम नाम सुखमूल है, सकल लोक अभिराम।।
जात-पात मन की कलह, सच्चा है विश्वास।
राम नाम सौरभ भजें, पंडित और% रैदास।।
सहकर पीड़ा आदमी, हो जाता है धाम ।
राम गए वनवास को, लौटे तो श्रीराम ।।
बन जाते हैं शाह वो, जिनको चाहे राम ।
बैठ तमाशा देखते, बड़े-बड़े जो नाम ।।
जपते ऐसे मंत्र वो, रोज सुबह औ% शाम ।
कीच-गंद मन में भरी, और जुबाँ पे राम ।।
राम राज के नाम पर, कैसे हुए सुधार ।
घर-घर दुःशासन खड़े, रावण है हर द्वार ।।
हारे रावण अहम तब, मन हो जय श्री राम।
धीर-वीर गम्भीर को, करे दुनिया प्रणाम।।



# नेता जी सुभाष चन्द्र बोस, युवाओं के प्रेरणा स्रोत



23 जनवरी 1897 को उडीसा के कटक में जानकीनाथ बोस और प्रभावतीदत्त बोस के घर जन्में बालक सुभाषचन्द्र बोस आज भी युवाओं के जोशीले नेताजी के रूप में भारत के तमाम नवयुवकों के हीरों हैं। जो जीवन की चुनौतियों को स्वीकारना जानते हैं। सदियों से कहावत रही है कि 'पूत के पांव पालने में दिख जाते हैं' जिसका बेहतरीन उदाहरण सुभाषचन्द्र बोस हैं। भारत प्रेरणाओं वाला देश है। यहां की माटी में जन्में महापुरूषों ने न केवल भारत के नौजवानों के लिए उत्साहवर्धन का काम किया है अपितु दुनिया भर में साहस और शौर्य का प्रतीक बने हैं। भारत विविधताओं से भरी क्षमताओं वाला देश है। विपरीत परिस्थितियों से लडकर जीत हासिल करने में पारंगत लोगों की फेहरिस्त में अग्रिणी नाम है नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का, जिनके जन्म दिवस 23 जनवरी को भारत ''पराक्रम दिवस'' के रूप में मनाता है। उनकी सूझबूझ और रणनीति से प्रेरित होकर जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें नेताजी कहकर संबोधित किया। 23 जनवरी 1897 को उडीसा के कटक में जानकीनाथ बोस और प्रभावतीदत्त बोस के घर जन्में बालक सुभाषचन्द्र बोस आज भी युवाओं के जोशीले नेताजी के रूप में भारत के तमाम नवयुवकों के हीरों हैं। जो जीवन की चुनौतियों को स्वीकारना जानते हैं। सदियों से कहावत रही है कि 'पूत के पांव पालने में दिख जाते हैं' जिसका बेहतरीन उदाहरण सुभाषचन्द्र बोस हैं। साहस के साथ समाज सेवा, देश प्रेम के साथ राष्ट्र भक्ति की मिशाल हैं सुभाषचन्द्र बोस। बचपन में आप जितने साहसी थे उतने ही उदार भी। कहते हैं कि ओडिशा के कटक शहर में स्थित उड़िया बाजार में प्लेग फैला हुआ था। उस इलाके में केवल बापू पाडा मोहल्ला इस बीमारी से बचा हुआ था। उसकी बडी वजह थी वहां पर मौजूद साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम। जिसे करने के लिए 10 वर्ष से 18 वर्ष के नौवयुवकों ने एक टीम बनायी हुई थी उस टीम का नेतृत्व कर रहा था 12 साल का एक बालक। इस बाजार में हैदर अली नाम के एक व्यक्ति का दबदबा था। हैदर बापू पाडा में साफ-सफाई करने वाले बच्चों को अकसर डाट फटकार कर भगा देता। उसके दुर्व्यवहार के चलते कई बार वह जेल भी जा चुका था। लोग उससे बहुत परेशान थे। कुछ समय बाद हैदर के बेटे और पत्नी को भी प्लेग हो गया यह खबर सुनते ही अभियान दल का मुखिया हैदर की मदद में जुट गया। जबकि लोग उससे दूर भागने लगे। हैदर के मन में उस बालक के सेवाभाव को देखकर और स्वयं के किए गए बर्ताव को देखकर आत्मगिलानी का भाव उत्पन्न हो गया और उसका हृदय परिवर्तन हो गया। हैदर का हृदय परिवर्तन करने वाला वह असाधारण बालक और कोई नहीं बल्कि सुभाषचन्द्र बोस ही थे। जिनमें नेतृत्व में कमाल की शक्ति थी कि बड़े से बड़े सूरमा भी परास्त हो जाते थे। बड़े होकर अंग्रेजों को नाकों चने चबवाने का काम सुभाषचन्द्र बोस ने बाखूबी किया। जीवन की जटिलताओं को सरल बनाने का साहस जैसा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस में दिखाई देता है ऐसा कम ही देखने को मिलता है। आज भी भारतीय युवाओं में सिविल सेवा की परीक्षा को पास करने के जज्बे पर नेताजी को देखा जा सकता है। आप ने वर्ष 1919 में भारतीय सिविल सेवा ''आई.सी.एस.'' की परीक्षा उत्तीर्ण की और बाद में इस्तीफा देकर देश की आजादी के सपने को सच करने के मिशन में लग गए। सुभाषचन्द्र बोस अपने आध्यात्मिक गुरू विवेकानन्द जी को एवं राजनीतिक गुरू चितरंजन दास को मानते थे। सन् 1921 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने चितरंजन दास की स्वराज पार्टी द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र 'फारवर्ड' के सम्पादन का कार्यभार संभाला। भारत पूर्ण स्वराज के साथ दुनिया से नजरें मिलाए यह सपना नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का था। ऐसे कई मौके आए जब नेताजी ने भारत की गुलामी की जंजीरों को पिघलाने की कोशिश की। कभी जेल गए तो कभी ब्रिटिश हुकूमत को आसानी से चकमा देकर अपने सीक्रेट मिशन को पूरा करने में सफल रहे। वो जब तक रहे अंग्रेजी हुकूमत को चैन से सोने न दिया। भारत में आजादी का दिन 15 अगस्त 1947 के दिन के रूप में दर्ज है लेकिन आजादी के इस दिन से लगभग 4 साल पहले ही नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने हिन्दुस्तान की पहली सरकार का गठन कर दिया था। 21 अक्टूबर सन 1943 का दिन इतिहास कभी न भुला पाएगा, जब भारत पर अंग्रेजी हुकूमत थी और नेताजी ने सिंगापुर में आजाद हिंद सरकार की स्थापना कर डाली थी। नेताजी का यह कदम अंग्रेजी सरकार को यह बतलाने के लिए पर्याप्त था कि भारत में उनकी सरकार का कोई अस्तित्व नहीं रह गया है भारतीय अपनी सरकार चलाने में सक्षम है। आजाद हिंद फौज के सर्वोच्च सेनापति के तौर पर सुभाष चन्द्र बोस ने स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार बनायी। जिसे 9 देशों ने मान्यता दी जिसमें जर्मनी, फिलीपींस, जापान जैसे देश शामिल थे। जापान के द्वारा अंडमान और निकोबार द्वीप आजाद हिंद सरकार को दे दिए गए जिनका सुभाषचन्द्र बोस ने नामकरण किया। अंडमान को शहीद द्वीप और निकोबार को स्वराज द्वीप के नाम से संबोधित किया। 30 दिसम्बर 1943 को अंडमान निकोबार में पहली बार सुभाषचन्द्र बोस ने आजाद हिन्द सरकार का तिरंगा फहराया। आजाद हिन्द सरकार ने अपना बैंक, अपनी मुद्रा, अपना डाक टिकट और अपना गुप्ततंत्र स्थापित कर ब्रिटिश हुकूमत को भारतीयों की शक्ति का आभास कराया। नेताजी ने लोगों को संगठित होकर एकजुटता के साथ अंग्रेजी सूरज को अस्त करने की राह सुझाई। सुभाषचन्द्र बोस ने आजाद हिन्द सरकार के द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के रूप में तिरंगे को और राष्ट्रगान के रूप में जन-गण-मन को चुना और अभिवादन के लिए 'जय हिंद' का प्रयोग करने की परम्परा का आगाज किया। उनके द्वारा दिए गए उद्बोधन में 'दिल्ली चलो' के नारे ने आज भी लोगों में जोश भरने का काम जीवित रखा है। 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के नारे को बुलन्द करने वाले भारत के महान क्रान्तिकारी योद्धा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के जीवन से जुडे कई प्रेरणादायक किस्से हैं जिन्हें देख उनकी क्रान्तिमय जीवन का अनुमान लगाया जा सकता है। कहते हैं एक बार बचपन में सुभाष अपनी माता के साथ मां काली के मन्दिर गए थे उनकी मां पूजा के लिए घर से सिंदूर लाना भूल गयी तभी उनकी मां को ध्यान आया और उन्होने सुभाष से घर जाकर सिंदूर लाने के लिए कहा लेकिन घर दूर था तभी सुभाष ने सोचा घर से सिंदूर लाने में काफी वक्त लगेगा और तभी पास पडे एक चाकू से अपने अंगूठे पर चीरा लगा कर अपनी मां से कहा कि वह उनके रक्त को सिंदूर मानकर मां काली के चरणों में अर्पित कर दें। उनके साहस का बाल्यकाल में ऐसा उदाहरण उनके साहस एवं पराक्रमी जीवन को दर्शाता है। भारत नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जी के जन्मदिन को पराक्रम दिवस के रूप में मनाता है। निसंदेह सुभाषचन्द्र बोस भारत के नव युवकों के रियल हीरों हैं। उनका जीवन साहस, शक्ति और पराक्रम की ऐसी प्रेरणादायक गाथा है जिसने भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व को अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर लड़ने के लिए प्रेरित करने का काम किया है। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जीवन स्वतंत्रता, समानता, साहस से भरपूर आपसी सौहार्द्र को बनाये रखने में एक मिशाल है। ऐसे हीरो सदैव जीवित रहकर अपने राष्ट्र के युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए सदैव प्रेरित करते रहते हैं जैसे नेताजी सुभाषचन्द्र बोस करते हैं।

# राम के राज्य में राजनीति स्वार्थ से प्रेरित ना होकर प्रजा की भलाई के लिए थी

राम की संस्कृति जब–जब एक सम्पूर्ण और एकात्म राष्ट्र की अस्मिता बनकर उभरने लगती है, अराष्ट्रीय तत्व विक्षिप्त और बेचैन होने लगते हैं। लोकतंत्र के वोट तत्त्व की विवशता राष्ट्रीय परिवार, उसकी भूमि और भावना को आत्मघाती रूप दिया जाने लगता है। श्रीराम केवल एक महापुरुष, केवल एक दैवी शक्ति संपन्न राजा या भगवान नहीं थे। श्रीराम का जीवन और चरित्र भारत राष्ट्र की जीवन चरित्र है। महाकवि कालिदास ने उनके व्यक्तित्व की तुलना हिमालय और सागर के साथ एक साथ करके यह बता दिया है कि राम व्यक्ति नहीं राष्ट्र हैं। भारत और उसकी सनातन परम्परा के लिए राम ही राष्ट्र हैं और राष्ट्र ही राम है। भारत के कण-कण में राम समाविष्ट हैं। भारत के चरित्र ही नहीं भारत के अस्तित्व के आधार राम हैं। श्रीराम का अर्थ है मर्यादा। राम राज्य की स्थापना का अर्थ है मर्यादा की स्थापना। बहुत सोच-समझ कर बनाए गए हमारे संविधान में विविध प्रावधान होने पर भी, पारदेशीय संस्कृति और समाज के प्रभाव के कारण विविध प्रकार की विसंगतियां हमारे समाज में आज भी विद्यमान हैं। कर्त्तव्य विस्मृत करके केवल अधिकार की लड़ाई ने समाज में अविश्वास और घृणा का वातावरण पैदा कर दिया है। श्रीराम की मर्यादा का अर्थ है कर्त्तव्य का सर्वोपरि होना। कर्त्तव्य सर्वोपरि हो तो अधिकार, उत्तरदायित्वपूर्ण अधिकार स्वतः प्राप्त हो जाता है। रामराज्य शासन की आदर्श संकल्पना है। एक ऐसी राज व्यवस्था जहां न कोई दुखी हो और न ही अभावों से ग्रस्त हो। जहां जन-जन भय मुक्त हो और चर्तुदिक शांति हो। जहां का शासन सभी के लिए मंगलकारी हो। राम इसीलिए मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए, क्योंकि उन्होंने हर हाल में मर्यादा की रक्षा की और स्थापित किया कि सत्यनिष्ठ, कर्मनिष्ठ और धर्मनिष्ठ आचरण ही मर्यादा है तथा उससे सभी बंधे हैं। वह हर रूप में मर्यादा के प्रतीक हैं। राम के राज्य में राजनीति स्वार्थ से प्रेरित ना होकर प्रजा की भलाई के लिए थी। इसमें अधिनायकवाद की छाया मात्र भी नहीं थी। राम का राज्य मानव कल्याण के आदर्शों से युक्त एक ऐसा राज्य था जिसमें निस्वार्थ प्रजा की सेवा निष्पक्ष आदर्श न्याय व्यवस्था सुखी तथा समृद्ध शादी समाज व्यवस्था पाई जाती थी। राम इस सीमा तक लोकतांत्रिक हैं कि एक अवसर पर कहते हैं-यदि अनुमति हो तो कुछ कहूं और यदि मेरे कहे में कुछ अनुचित देखें तो मुझे टोक दें, मैं सुधार कर लूंगा। वह अपने राज्य में रहने वाले किसी भी व्यक्ति की राय के आधार पर फैसला लेने में हिचकते नहीं। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन चरित ऐसी मर्यादाओं, कर्तव्य पालन और सभी के अधिकारों के प्रति सम्मान का पर्याय है। मानव सभ्यता के सम्पूर्ण लिखित-अलिखित इतिहास में श्रीराम जैसा व्यक्तित्व और चरित्र का दूसरा उदाहरण उपलब्ध नहीं है। राम को धर्म का विग्रह कहा गया है, 'रामो विग्रहवान् धर्मः'. एक व्यापक अर्थ में राम का चरित धर्म मार्ग की चुनौतियों और उसके विचलन से उठने की मुश्किलों अर्थात जीवन के आधारों की मर्यादा स्थापित करने की राह में आने वाले प्रश्नों से रूबरू कराता है। गांव का अनपढ़ भी इनसे शिक्षित होता है और एक तरह के विवेक के भाव की अनुभूति करता है। श्रीराम मानव शरीर धारण करने पर जीवन के कठोर सत्य की कसौटी पर वे हमेशा ही कसे जाते हैं। किशोरावस्था से ही उनके सामने जो चुनौतियों की श्रृंखला शुरू होती है उसका जीवन में कभी अंत नहीं हुआ पर सारे कष्टों के बीच वे अविचल भाव से स्थित रहे। विकट परिस्थितियों में भी वे अपने पूरे परिवेश के साथ अनुकूलित रहते थे। उनके लिए आस-पास का कोई भी प्राणी 'अन्य' नहीं रहा, सभी अनन्य हो गए थे। वे गिरिजन, वनचारी और वानर सभी के हित के लिए जुटे रहे। करुणा और पर-दुखकातरता की भावना से ओत-प्रोत श्रीराम ने उन सबसे से प्रेम तथा सौहार्द का रिश्ता बनाया और निभाया। सबको साथ लेकर चलने के मामले में राम अद्वितीय हैं। वनवासियों समेत समाज के सभी वंचित-शोषित वर्गों को आदर देना उनका स्वभाव है। उनमें आत्मविश्वास पैदा कर उनके सहयोग को वह अपनी शक्ति बना लेते हैं। साधारण जन समुदाय में समुद्र पार जाने का साहस जगाकर और परम पराक्रमी रावण की दिग्विजयी सेना को परास्त कर राम ने स्थापित किया कि केवल सैन्य बल शौर्य का परिचायक नहीं होता। वह अपने शौर्य के बल पर हर चुनौती पर विजय पा लेते हैं। भारतीय जन मानस के समक्ष जीवन का जो आदर्श उन्होंने राजा के रूप में तथा आज्ञाकारी पुत्र के रूप में सबके सामने रखा तथा सबके प्रति स्नेह, करुणा और सेवा का भाव रखा, वह संपूर्ण भारतीय समाज तथा मानव जाति के लिए अनुकरणीय है। प्रख्यात समाजवादी नेता एवं चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया लिखते हैं।

'राम की सबसे बड़ी महिमा उनके उस नाम से मालूम होती है जिसमें कि उनको मर्यादा पुरुषोत्तम कह कर पुकारा जाता है। राम मर्यादा पुरुष थे। ऐसा रहना उन्होंने जानबूझ कर और चेतन रूप से चुना था। आज जब दुनिया भर में हड़पने और विस्तार की महत्वाकांक्षा सिर उठाए खड़ी है तो राम की मर्यादा को याद करना जरूरी हो जाता है। राम का जीवन बिना हड़पे हुए फैलने की एक कहानी है। उनका निर्वासन देश को एक शक्ति केंद्र के अंदर बांधने का मौका था। श्रीराम ने अयोध्या से लंका तक की अपनी यात्रा में कभी अतिक्रमण नहीं किया, वे दायरे से बाहर नहीं गए। जब पहली बार उन्हें वानर नरेश बालि के साम्राज्य पर अधिकार करने का मौका मिला था, वे चाहते तो बालि के भाई सुग्रीव का साथ देने के बहाने उसका साम्राज्य हड़प सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया है। यह एक विशाल हृदय राजकुमार की मर्यादा थी। यह नीतिशास्त्र की मर्यादा थी और राजनीति की भी।' राम की संस्कृति जब–जब एक सम्पूर्ण और एकात्म

# अयोध्या- भारत के शक्ति तत्व की प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या का हर कण हर कोना सज गया है। रातों रात सड़के नयी बन गयीं, दुकानें चौड़ीं हो गयीं, दस दस फीट पीछे कर दीं, आश्रम मठ नये कलेवर नयी सज्जा, नये निर्माण से अलंकृत हो गये, अयोध्या महाराज का महल अयोध्याकालीन महल लगने लगा, राम जन्मभूमि पथ स्वर्गानुकूल भव्यता ले रहा है। अयोध्या की उन गलियों से गुजरते हुए जहां इन आँखों ने नब्बे बयानबे में हिंदू नेताओं की हिंदू पुलिस द्वारा रक्तरंजित कारसेवक संहार देखा था आज भी सिहरन होती है, आँखें विस्फारित हो कर राम शरद कोठारी के चित्र देखती हैं उनके अधरों से निकले जय सिया राम के स्वर सुनायी देते हैं। मैं यहाँ आते ही मणिरामदास छावनी केप्रमुख, राम आंदोलन के महा सेनापति पूज्य महंत नृत्य गोपाल दास जी से मिला, आशीर्वाद लिया। वे पहचान गये। रामभद्राचार्य जी, पूज्य जयदेव राम जी, सालासर बालाजी के सिद्धेश्वर महाराज, सर्व कार्य प्रमुख चंपत राय, और संपूर्ण राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के महिमावान प्रमुख संत पूज्य गोविंद गिरि जी महाराज से तो रात्रि साढ़े दस बजे भेंट हुई। रात दिन काम और अविश्राम जीवन। राम जी की शक्ति है। स्वामी गोविंद गिरि ने ठीक कहा- इस जन्मभूमि को लेने में हिंदुओं को पाँच सौ साल क्यों लगे ? क्योंकि हिंदू के मानस में राष्ट्र तथा धर्म का समन्वय नहीं था। शिवाजी के विरूद्ध औरंगज़ेब के लिये शिव भक्त मिर्जा राजा जय सिंह लड़े, शिवाजी के तेरह सगे संबंधी उनके विरुद्ध मुगल सेना में थे। गत सौ वर्षों में पहली बार विवेकानंद तथा डॉ हेडगेवार ने देश के साथ धर्म का चैतन्य जागृत किया तो राम मंदिर बना। अब काशी और मथुरा सहित अन्य भग्न काराबद्ध आक्रांत मंदिर वापस लिए बिना हिंदू रुकेगा नहीं। अयोध्या का हर कण हर कोना सज गया है। रातों रात सड़के नयी बन गयीं, दुकानें चौड़ीं हो गयीं, दस दस फीट पीछे कर दीं, आश्रम मठ नये कलेवर नयी सज्जा, नये निर्माण से अलंकृत हो गये, अयोध्या महाराज का महल अयोध्याकालीन महल लगने लगा, राम जन्मभूमि पथ स्वर्गानुकूल भव्यता ले रहा है। सब कुछ स्वप्न वत। चिकोटी काटें तब विश्वास हो। हर कोने चौहारे पर आंध्र से लेकर पंजाब दुर्ग्यआणा मंदिर के मुफ़्त चाय भोजन के 24 घंटा लंगर चल रहे हैं। हजारों स्त्री पुरुष गोद में बच्चे हाथों में कपड़ों कंबल के थैले लिये चले आ रहें हैं। राम लला से मिलने आयें हैं राम लला व्यवस्था करेंगे। जिन लोगों ने, हिंदू तथा मुस्लिम दोनों ने राम जन्मभूमि का सत्य जानते हुये भी अंधा अपशब्दयुक्त विरोध किया उनको हिंदुओं से हाथ जोड़कर क्षमा याचना करनी चाहिए। उन्होंने अपने ही रक्त अपने पूर्वजों अपने देश अपने देवताओं अपनी संस्कृति के प्रवाह से विश्वासघात किया। अब स्मृति - जागृत भारत अपने मन और काया पर आघात नहीं सहेगा। स्मृति हर मनुष्य और राष्ट्र के जीवन हेतु अनिवार्य तत्व है। स्मृति हीन देश या व्यक्ति शून्य होता है, भविष्यविहीन और दिशाहीन। अयोध्या में मंदिर नहीं भारत राष्ट्र की स्मृति के जागरण द्वारा नवीन राष्ट्रीय अभ्युदय के शक्ति स्रोत की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। हर काल में हिंदू का राष्ट्र और धर्म के समन्वय से युक्त जागरण कठिन, प्रायः असंभव और जटिल रहा है। ढाई हज़ार मील दूर अनुल्लेखनीय कस्बे गजनी से एक लुटेरा महमूद प्रभास पाटन आता है, सर्वाधिक महत्वपूर्ण मंदिर तोड़ता है, इतनी बड़ी संख्या में हिंदू स्त्री पुरुष दास बनाकर ले जाता है कि बग़दाद में ग़ुलामों का मूल्य गिर गया, लूट का सामान अलग ले जाता है। मार्ग में सब हिंदू खड़े हुए? सुहेलदेव अपवाद हैं। बाक़ी ? कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी का जय सोमनाथ उपन्यास पढ़ा है? उन्होंने उच्च ब्राह्मण कुलोत्पन्न शिव राशि के चरित्र का उल्लेख किया है जो ग़ज़नवी को हिंदू संघ की परमार राजाओं के नेतृत्व में खड़ी सेनाओं से बचाकर सोमनाथ मंदिर के भीतर ले आया था. जीती बाज़ी हिंदू हार गये। चार सौ वर्ष गोवा पर क्रूर व अमानुषिक अत्याचारों के लिए कुख्यात पुर्तगालियों ने लगातार शासन किया। पणजी में आज भी एक हाथ कातरो खंभ है जहां उन हिन्दुओं के हाथ काटे जाते थे जिनके घर पर तुलसी का पवित्र पौधा पूजित होता था। उस भयानक काल से गुजर यदि आज हिंदू समाज धर्म और राष्ट्र से जुड़ा दिखता है तो यह आठवाँ आश्चर्य है- हिंदुओं के एक वर्ग या बड़े आचार्यों या हिंदू नामधारी सेकुलरों के हिंदू मंदिर विरोध में कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है। ग़ज़नवी से पुर्तगालियों तक उसका देश से विमुख धर्म से विमुख एक स्वार्थी भाव रहा है जिसे पिछली शताब्दी में लाल बाल पाल, विवेकानन्द, अरविंद, दयानंद , सावरकर ने बदला और डॉ हेडगेवार ने उसे एक सैन्य अनुशासन में ढालने का असाधारण अभूतपूर्व कार्य किया. वरना मंदिर की जगह हिंदू सेकुलर शौचालय बनवा रहे होते। यह भारत की सुप्त विजिगीशु प्रवृत्ति, काल को परास्त करने वाली जिजीविषा और सामूहिक सांगठनिक शक्ति का ऐसा ऐतिहासिक प्रकटीकरण है जो धरातल पर आदि शंकर के बाद या राजनीतिक स्तर पर राज राज चोल, कृष्णदेवराय, उससे पूर्व विक्रमादित्य, अशोक, के बाद कभी संभव हुआ नहीं। दुर्बल, आत्म विस्मृत, समझौतावादी, यही पिछले सेकुलर युग में हिंदू की पहचान थी। उस छवि के टूटने और नवीन साहसी निर्भीक हिंदू के उदय से जन्मी वेदना भारत शत्रुओं को होना स्वाभाविक ही है। ध्यान रहे राम ने पश्चाताप विहीनरावण युग का अंत किया परावण पर का कभी अपशब्दों से तिरस्कार नहीं किया, उसका सम्मान अंतिम संस्कार किया, उसके भाई विभीषण का राज्यारोहण करवाया, लंका को अयोध्या में सम्मिलित नहीं किया। आज यही मर्यादा पुनरुज्जीवित होती दिखती है। संपूर्ण विश्व में भारत की प्राचीन गौरवशाली धरोहर के प्रति नवीन चैतन्य उभरा है। अनगिनत पुस्तकें भारत की विद्या, महापुरुषों की जीवनियों, प्राचीन नगरों , नदियों, तीर्थों, पर्यटन स्थलों, समुदायों यहाँ तक कि अरुणाचल- मणिपुर- मेघालय में प्राचीन राम कथाओं के पुनःस्मरण- प्रकाशन का रेला दिख रहा है। राम कथा के टेली सीरियल से लेकर राम मंदिर विरोधी नये नये शंकराचार्यों की अपने अपने उद्देश्यों हेतु पादवंदना करते, जातियों के गूढ़ मर्म व अर्थ ढूँढते दिखने लगे हैं। विश्व नवीन आर्थिक व सैन्य शक्ति युक्त भारत की ओर भिन्न एवं सम्मान भाव से देख रहा है। यह अचानक जादू से नहीं हुआ। स्मृति जागरण पर्व उन अनाम अजान अचीन्हे संस्कृति वीरों महापुरुषों गुरुओं त्यागराज, चैतन्य महाप्रभु, रामानन्दाचार्य, आदि शंकर, गुरु गोविंद सिंह तेग़ बहादुर, बंदा बहादुर के संचित तप, बलिदानों, साधना, काले पानी की जेल में अनजान रह कर मर खप गये सेनानियों की सामूहिक अभीप्साओं का फल है। आज चन्द्रायण से लेकर मंगल तक की यात्राओं का निर्धारण आस्थावान विश्व विश्रुत भारतीय वैज्ञानिक कर रहे हैं, खेल, चिकित्सा, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, कठिनतम क्षेत्रों को राजमार्गों से जोड़ता भारत, सिंधु सरस्वती सभ्यता के विराटतम आगार के रूप में विश्व के समक्ष स्वयं को प्रस्तुत करने लगा है। विश्व के संपन्नतम आधुनिकतम स्थानों में हिंदू संस्कृति और सभ्यता के उत्कर्ष को दर्शाते मंदिर सैंकड़ों एकड़ों में बन गये हैं जहां वे लोग आकर श्रद्धावनत और विस्मित हो रहें हैं जो कल तक हमारे अध्यात्म की, धरोहर की मजाक उड़ाते थे। इन सब गतिविधियों में 18 से 30 वर्ष का हिंदुस्तानी है। वह भाजपा समर्थक नहीं भी होगा, संघ से सहमत नहीं भी होगा पर वह एक नये हिंदुस्तान का अन्वेषण कर रहा है, नवीनता का आविष्कार कर रहा है, अपनी जड़ों की पहचान और पश्चिमी औपनिवेशिक दंभ को करारा तीखा आहत करनेवाला उत्तर दे रहा है। न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध थिंक टैंक के निदेशक ने इस दृश्य को उद्धृत करके मुझसे कहा था- दिस इंडिया इस अनस्टॉपेबल नाउ- अब इस भारत को कोई रोक नहीं सकता। यह भारत श्री अरविंद की उस भविष्यवाणी को सत्य सिद्ध कर रहा है कि विश्व को मार्गदर्शन देने वाले शक्तिशाली समर्थ भारत का उदय अवश्यंभावी है। विवेकानंद ने इस स्मृति जागरण अश्वमेध यज्ञ का आरंभ 11 सितंबर 1893 को शिकागो में कर दिया था। कार सेवकों ने अपने रक्त की आहुति से अयोध्या को जगा कर बलिदानी ऊष्मा से भारत ज्योति जलायी और जो भी भारतीय जहां भी था उसके मानस में जो आत्मविश्वास आया वह अवर्णनीय और शब्दातीत है। राजनेताओं को विनम्रतापूर्वक इस पुनर्जागरण पर्व का वंदन करना होगा। अयोध्या सशुल्क धर्मशालाओं होटलों विलासिता के धनी वर्ग और अर्द्ध साक्षर उच्चाधिकारियों के पानी की तरह बहाए पैसे से आप्लावित न होने पाए. नेताओं के अहंकार हूटर, सड़क बंद करवाकर पूजा का दंभ यहाँ न दिखे. गरीब दरिद्र किसान मजदूर झोंपड़ी वाले हिंदू ने अयोध्या की आत्मा बचायी, यहाँ कभी कोई भूखा नहीं सोया, कभी ठंड में सड़क पर नहीं पड़ा। हर आश्रम शरण स्थल बना रहा है। अब अचानक धन वैभव फेंक कर उनको होटल व्यावसायीकरण की ओर धकेलने तथा ग़रीब भक्तों को अवांछनीय और धनियों को सुपात्र समझने वाली अयोध्या न बनने दें। सरकार संस्कृति कार्यों में अपनी भूमिका की नयी सीमा निर्धारित करे। सोमनाथ से अयोध्या तक के पुनर्निर्माण का पथ भारत वर्ष के सामूहिक स्मृति जागरण का अविजेय, अमर्त्य, शत्रु हनन- सज्जन प्रतिपालक ज्योति पर्व है। अबसे भारत एक नया मन, नया कलेवर धारण करनेवाला है। अयोध्या में इस शक्ति के ऊर्जा केंद्र की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है- मंदिर मात्र की नहीं।

-तरुण विजय

# श्री रामलला के गर्भगृह में विराजित होने पर श्री रामलला विजय पर्व महोत्सव से पुरा हापुड़ राममय हो गया -ज्योतिषी के0 सी0 पाण्डेय

**नगर पालिका ईओ सौरभ नाथ का महासभा ने किया स्वागत**

**द अचीवर टाइम्स ब्यूरो रिपोर्ट चेतन कुमार**

**हापुड़।** भारतीय ज्योतिष कर्मकांड महासभा के तत्वाधान में 14 जनवरी से 22 जनवरी 2024 तक शुरू हुए श्री रामलला के गर्भगृह में विराजित होने के उपलक्ष्य में मनाये जा रहे श्री रामलला विजय पर्व महोत्सव से पुरा हापुड़ राममय हो गया आज कार्यक्रम के आखिरी नोवे दिन कल 22 जनवरी सोमवार सुबह 9 बजे से श्री राम मंदिर गढ़ रोड पर उत्साह व भक्तिभाव के हनुमान चालीसा सुन्दरकाण्ड व संकीर्तन साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारम्भ तो वही महासभा विद्वान मंदिर के मुख्य पुजारी से महासभा संरक्षक डॉ0 वासुदेव शर्मा व पंडित प्रशांत वशिष्ठ ने भगवान श्री राम व हनुमान जी का पूजन कराकर किया संकीर्तन इस दौरान महासभा के अध्यक्ष ज्योतिषी के0 सी0 पाण्डेय ने जैसे ही बताया कि 500 वर्षो से प्रतिक्षित शुभ घड़ी 12 बजकर 29 मिनट 08 मिनट शुरू हो चुका है पुरा वातावरण जय श्री राम के नारों से गूंज उठा शंख वादन हुआ हर्षोल्लास बधाई देते हुए गले मिले मुख्य अतिथि नगरपालिका के कार्यकारी अधिकारी ईओ सौरभ नाथ व महासभा अध्यक्ष का तिलक लगाकर माला व पटका पहनाकर स्वागत किया गया उसके बाद नव ज्योति पब्लिक स्कूल के बच्चों ने अवध में राम आये है गाने पर सुन्दर नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया स्वरुप बने भगवान रामजी परिवार व हनुमान जी का विशिष्ट अतिथि मूलित त्यागी व महामंत्री अनिशा सोनी पाण्डेय ने तिलक लगाकर माल्यार्पण किया, व्यवस्था में मंत्री गौरव कौशिक, कपिल सिंघल, दीपक अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, मितुल, सचिन, प्रशांत वशिष्ठ, एस्ट्रो धर्मेंद्र बंसल, शैलेन्द्र शास्त्री, पंकज पाण्डेय, चित्रा कौशिक, पूनम कौशिक, पूजा आदि लगे रहें कार्यक्रम में भरत श्रीहान करुण शर्मा,ऐश्वर्या महासभा की ओर से उपस्थित सभी धर्म प्रेमियों को भी श्री राम नाम का पटका पहनाया गया तथा बीच बीच में जय श्री राम के नारे भी लगते रहें और कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष पंडित के0 सी0 पाण्डेय ने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसा शुभ अवसर 500 साल बाद आया है जो इस भाग्यशाली पीढ़ी को प्राप्त हुआ। मुझे भी अयोध्या जाना था लेकिन महासभा ने हापुड़ को ही राममय बनाने का निर्णय लिया,महासभा के विद्वान पूर्ण समर्पित होकर निरंतर प्रभु कार्य में लगे रहें,भगवान श्री रामलला सभी पर कृपा करें शासन, प्रशासन को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया मीडिया को विशेष धन्यवाद दिया जिसके कारण 14 से 22 तक निरंतर जन जन तक कार्यक्रम पहुँचा व सभी धर्मलाभ उठाकर पुण्य भागी बने सूचना पंहुचाकर आभार प्रकट किया,आरती के पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया.

## सियराम मय सब जग जानी...

**बाराबंकी।** सियराम मय सब जग जानी, करहूं प्रणाम जोर जुग पानी। रामचरितमानस की यह चौपाई आज पूरी तरह से जनमानस पर सटीक बैठ रही है। घर हो या मंदिर, सड़क हो या शिवाला, अस्पताल और थाने से लेकर हर जगह लोग राम की भक्ति में रमे दिखाई दिए। अयोध्या के स्वागत द्वार बाराबंकी में सरकारी अमला हो या समाज का अन्य तबका, सब में एक दूसरे के प्रति जो आदर दिखा, वह इस चौपाई को पूरी तरह सही साबित कर रहा था। सबको एक-दूसरे में राम ही नजर आ रहे थे। कई दिनों की मशक्कत और मेहनत का आलम ये था कि हाईवे जहां रामपथ नजर आया तो शहर से लेकर गांव और कस्बा सुबह से शाम तक श्रीराम के जयकारों के बीच शोभायात्रा, भजन-कीर्तन, भंडारा, दीपोत्सव जैसे आयोजन सबके मन में आस्था का ज्वार पैदा कर गए। अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में कई दिनों से माहौल राममय था, आम आदमी रहा हो या खास, प्रशासनिक अफसर रहे हों या कर्मचारी, कौन किस तबके का है सब कुछ भुलाकर सिर्फ आज के ऐतिहासिक क्षण देखने के लिए लोग लालायित थे।

## 500 वर्ष बाद अयोध्या में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा से भारत देश के हिंदूओ की विजय हुई है-एड.अनिल आजाद

**❖ श्री राम प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में श्री रामलीला समिति द्वारा नगर में निकाली गई झांकीयां**

**द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार**

**हापुड़।** नगर के बुलंदशहर रोड पर स्थित मनशा देवी से श्री रामलीला समिति द्वारा अयोध्या में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में श्री राम व सीता रथ पर ब्रजमान, हनुमान के बैंड बाजे व ढोल नगाडो के साथ बड़े ही धूमधाम से तहसील चौपाल व गुरुद्वारा तीराहे से होते हुए रामलीला ग्राउंड के श्रीराम पंचवटी राम मंदिर तक झांकियां निकाली गई। जहां लोगो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उसके बाद श्री राम पंचवटी मंदिर में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा पर हवन पूजा कार्यक्रम आयोजित कर प्रसाद वितरण किया गया। तो वहीं प्रधान रविंद्र गुप्ता ने बताया कि केई वर्षों पहले बाबर ने जो मंदिर तोड़कर जो मस्जिद बनाई थी। उसे तोडकर 496 वर्ष बाद आज अयोध्या में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। तो वही संगरक्षक अनिल कुमार एडवोकेट ने बताया कि 500 वर्ष बाद आज लाखों लोगों द्वारा प्राण न्योछावर कर जो लड़ाई आज हमने जीती है वह सभी भारत देशवासियों को गर्व होना चाहिए कि 500 ?वर्ष बाद अयोध्या में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया गया है। इसी उपलक्ष्य में झांकियां निकाली गई। यह देश सनातनी लोगों का देश है। सभी सनातनियों को गर्व होना चाहिए की भारत देश के हिंदूओ की विजय हुई है। जहां श्री राम प्रणा प्रतिष्ठा पर रामलीला ग्राउंड से लेकर पंचवटी राम मंदिर तक बिजली लाइटों से सजावट की व्यवस्था की हुई थी। इस दौरान श्री रामलीला समिति के प्रधान रविंद्र गुप्ता संरक्षक एडवोकेट अनिल कुमार आजाद उमेश अग्रवाल, विनोद वर्मा, शुभम गोयल, नवीन गुप्ता, गौरव बजरंगी, विवेक सिंघल, तुषार अग्रवाल डीके सराफ, हरि प्रसाद सिघल व रवि गर्ग आदि लोग मौजूद रहे।

# एक नज़र

## आनंदा डेरी में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा पर किया संकीर्तन, पूजा, हवन व दीपोत्सव का अयोजन

**द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार**

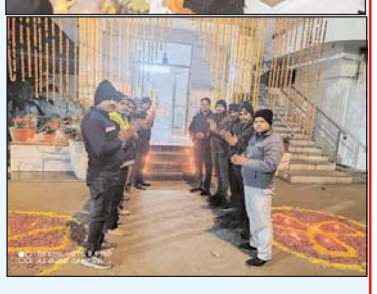

**हापुड़।** आनंदा डेयरी के वरिष्ठ प्रबंधक हरेश मित्तल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आज 500 वर्ष के बाद भगवान श्री राम जन्मस्थल अयोध्या मे प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर पिलखुवा आनंदा डेयरी आनंद नगर में बड़ी धूमधाम से, संकीर्तन, पूजा, हवन,दीपोत्सव का अयोजन किया और प्रसाद वितरण किया गया। प्राण प्रतिष्ठा का प्रोग्राम बड़े , धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उक्त आयोजन में आनंदा के सभी अधिकारी और कर्मचारी सम्मिलित हुए। आनंदा डेयरी के वरिष्ठ महाप्रबंधक एसके जाना, महाप्रबंधक आलोक मिश्रा, सौरभ शर्मा, राजेश शर्मा, अशोक शर्मा, हर्षित, गोविंद पांडे, सुमित त्यागी आदि रहे।

## माल विकासखंड अंतर्गत सैदापुर चौराहे पर रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के में किया गया तहरी भोज

**द अचीवर टाइम्स संवाददाता नरेंद्र कुमार गौतम**

**माल।** माल बाजार गांव से सैदपुर रामलाल की झांकियों के साथ निकली गई सोभा यात्रा यात्रा में दिखा उत्साह बताते चलें कि रामलाल की नगरी अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह पुरा उत्तर प्रदेश मना रहा है सैदपुर में आस्थित हनुमान मंदिर परिसर में सभी भक्तों के द्वारा किया गया भंडारे का योजना जिसमें रवि रस्तोगी संतलाल कपिल मिश्रा सुनील राजपूत राम लखन गुप्ता संदीप यादव मोहित शुक्ला संदीप यादव मोहित शुक्ला सुमित गुप्ता अन्य सभी सदस्यों के द्वारा किया गया भंडारे का आयोजन।

## श्री राम लला के नाम पौधरोपण करने का किया आह्वान

**द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार**

**हापुड़ ।** अयोध्या में हो रहे प्रभु राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर सभी लोग अपने-अपने तरह से स्वागत और हर्षोल्लास के साथ खुशियां मना रहे हैं तो वही नरेंद्र कुमार (स. अ) उच्च प्राथमिक विद्यालय कुचेसर बुलन्दशहर ने लोगों से अपील की हैं कि प्रभु श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर कम से कम एक-एक पेड़ लगाकर प्रकृति को हरा भरा करें ताकि हमें यह जीवन पर्यंत सुख का अनुभव कराती रहे कि इस वृक्ष का वृक्षारोपण हमने उस दिन किया जिस दिन प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर के भव्य निर्माण के बाद प्रभु श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा की गई ।

## नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती की पूर्व संध्या पर बादाम पर पेंटिंग बना कर किया याद

**द अचीवर टाइम्स ब्यूरो चीफ चेतन कुमार**

**हापुड़।** आज़ाद हिंद फौज के संस्थापक नेता सुभाष चन्द्र बोस के 127 वे जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर हापुड़ के युवा आर्टिस्ट , समाजिक कार्यकर्ता असि. प्रोफेसर ओमपाल सिंह ने बादाम पर एक्रेलिक कलर से मात्र 30 मिनट में नेता जी की पेंटिंग बनाई तो वही ओमपाल सिंह ने बताया कि अंग्रेजो से भारत को आजादी कराने ने कितने वीर बहादुर नोजवानों,वीरांगनाओं ने अपनी कुरबानी दी उसमे से एक नेता जी सुभाष चन्द्र बोस महान देश भक्त थे जिन्होंने तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा का नारा दिया और आजादी में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई आज युवाओं को प्रेरणा लेनी चाइये ऐसे वीर , महापुरष से और अपने भविष्य के साथ समाज सेवा में अपना योगदान देना चाहिए तभी हम लोग अपने देश के महान क्रांतिकारियो का सपना साकार कर सकते हैं ।

## मध्य प्रदेश के भी कोने-कोने में मनाया गया प्रभु श्री रामचंद्र जी की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह

**पप्पू उपाध्याय**

**मध्य प्रदेश।** मध्य प्रदेश के कोने-कोने में मनाया गया प्रभु श्री रामचंद्र जी के अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह के उपलक्ष पर विभिन्न प्रकार के आयोजन, मध्य प्रदेश में कहीं जय श्री राम के नारे लगाते हुए रैलियां निकाली, तो कहीं भव्य भंडारा आयोजन, तो कहीं प्रसाद वितरण, तो कहीं सुंदरकांड के पाठ अखंड रामायण जैसे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों से गूंजता रहा मध्य प्रदेश,, सुरक्षा व्यवस्था पर तैनात रही मध्य प्रदेश पुलिस, हर थाने, हर कस्बा, हर जिले, पर पुलिस का रहा पहरा।

## हिंदू धर्म के प्रति लोगों की आस्था को देखते हुए बाल गोपाल मंदिर के निर्माण का भूमि पूजन-विपिन शास्त्री

**द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार**

**हापुड़।** सोमवार को दोयमी - असोड़ा मार्ग पर मुरारी सेवा चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा बाल गोपाल मंदिर का भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। जहां आस पास के लोग भूमि पूजन कार्यक्रम में मौजूद रहे। लोगों ने भूमि पूजन कार्यक्रम में पूजा पाठ कर हवन मे आहुति दी और बाल गोपाल का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रसाद ग्रहण किया।

मंदिर के संस्थापक विपिन शास्त्री ने कहा कि हापुड़ शहर में आसपास कहीं भी बाल गोपाल जी का मंदिर नही है। बाल गोपाल प्रेमियों को काफी समय से मंदिर की जरूरत थी। हिंदू धर्म के प्रति लोगों की आस्था को देखते हुए दोयमी - असौड़ा मार्ग पर मंदिर के निर्माण कार्य के लिए आज यहां पर आधार शिला रखी गई हैं जिससे शहर के लोग मंदिर मे आकर बाल गोपाल जी के दर्शन कर सके। भूमि पूजन कार्यक्रम में कांग्रेस के पदाधिकारीगण भी मौजूद रहे। शहर कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष और कांग्रेस नेता विक्की शर्मा ने भूमि पूजन कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए हवन मे आहुति देकर मंदिर के संस्थापक विपिन शास्त्री, मंदिर के ट्रस्टी राजू शर्मा ,शिवम जाखड़, राजेश शर्मा, राहुल त्यागी, अनिल कौशिक और पवन कश्यप सहित वहां मौजूद गणमान्य लोगो को मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम पर अपनी शुभकामनाएं भेट की और कहा* कि शहर में बाल गोपाल जी का मंदिर स्थापित होने से लोगो को बाल गोपाल जी के दर्शन करने को मिलेंगे जो कि सनातन धर्म के लोगो के लिए किसी वरदान से कम नही होगा। इस दौरान भूमि पूजन कार्यक्रम में गौरव गर्ग, जितेंद्र अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, जितेंद्र सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

## महादेवा से कोटवाधाम तक मन में राम लिए उमड़े श्रद्धालु

**बाराबंकी।** शिवालय हो या फिर दुर्गा मंदिर, सतनामी संप्रदाय कोटवाधाम में जगजीवन साहेब हो या फिर वशिष्ठ का ससश्रषि आश्रम। रामसनेही बाबा मंदिर से लेकर हर देवी-देवताओं के यहां पूजन पाठ में प्रभु श्रीराम के जयकारे गूंज रहे थे। नजारा ऐसा मानो प्रभु श्रीराम आज अन्य देवी-देवताओं के मंदिर में आए हों और उनका स्वागत हो रहा हो। जिले के सैकड़ों मंदिरों में एक दिन पूर्व ही रामचरितमानस अखंड पाठ समेत विभिन्न आयोजन हो रहे थे। सोमवार की भोर यह आस्था चरम पर पहुंच गई। हर मठ-मंदिर रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाते रहे। कहीं रामचरितमानस का पाठ, तो कहीं हनुमान चालीसा तो कहीं सुंदरकांड का पाठ हुआ।

# 500 साल बाद यह ऐतिहासिक दिन हमें देखने के लिए मिला-सतेंद्र सिसोदिया

## प्राचीन बालाजी मंदिर पर भाजपाइयों ने देखा श्री रामलाला की प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण।

**द अचीवर टाइम्स ब्यूरो चेतन कुमार**

**हापुड़।** राम लला के प्राण प्रतिष्ठा का अयोध्या से सीधा प्रसारण भाजपाइयों ने दिल्ली रोड स्थित प्राचीन बालाजी मंदिर पर देखा तो वही क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया ने कहा कि 500 साल बाद यह ऐतिहासिक दिन हमें देखने के लिए मिला है जिसके आज हम साक्षी बने हैं कितनी ही पीढ़ियों ने आज के दिन के लिए अपना बलिदान कर दिया था यह शुभ अवसर दृढ़ इच्छा संकल्प के बिना पूर्ण नहीं हो सकता था केंद्र की मोदी सरकार सदैव ही स्पष्ट विजन के साथ चलने वाली सरकार है। इस अवसर पर उन्होंने समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं दी इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नरेश तोमर, क्षेत्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा सुखविंदर सोम, ब्लॉक प्रमुख निशांत सिसोदिया शैलेंद्र राणावत अनिरुद्ध सिंह कस्तला विक्रम तोमर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## दीपों की रोशनी से जगमगा उठे घर, मंदिर व घाट

**बाराबंकी।** अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद शाम होते ही मंत्रोच्चार के साथ ही तमाम घाट, तीर्थस्थल, अमृत सरोवरों एवं घर-मंदिरों में असंख्य दीप प्रज्ज्वलित हो उठे तो बाराबंकी की धरा जगमगा उठी। आलापुर स्थित रेठ नदी के घाट पर साजो-सज्जा के बीच सांसद उपेंद्र सिंह रावत, डीएम सत्येंद्र कुमार, एडीएम अरुण कुमार सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष शीला सिंह वर्मा, ईओ संजय कुमार शुक्ला, सभासद शिवकुमार वर्मा समेत तमाम लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित किए। नागेश्वरनाथ मंदिर तीर्थ पर श्रद्धालुओं ने दीपदान किया एवं पूरे तीर्थ स्थल को दीपों से जगमग किया। जिला अस्पताल परिसर को 1100 दीपों से सजाया गया। कैलाश आश्रम, तहसील, बंकी ब्लॉक, आवास विकास के त्रिपुण स्वामी मंदिर समेत तमाम स्थानों पर भी दीप प्रज्ज्वलित किए गए। श्रीलोधेश्वर मंदिर में शाम को भव्य पूजन के बाद 1100 दीपक जलाए गए।

## भगवती इंस्टीट्यूट में 501 दीयो से दीपोत्सव मनाकर श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित

**द अचीवर टाइम्स**

**हापुड़।** भगवती इंस्टीट्यूट ने अपने विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए संकल्पित भगवती इंस्टीट्यूट में,प्रबंधन की अनुमति व मार्गदर्शन में 501 दिया जला कर भव्य दीपोत्सव व आतिशबाजी का आयोजन किया गया। अयोध्या श्री राम मंदिर के भव्य प्रांगण में श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर संस्थान परिसर में कैंपस मैनेजर डॉ गौरव शर्मा की देखरेख में, बीटेक सीएसई, बी फार्म व बीसीए के हॉस्टल के विद्यार्थियों, प्रोफेसर्स व स्टाफ ने भव्य रंगोली, दीपोत्सव व आतिशबाजी का आयोजन किया। मनीष सिंह, अजीत गुप्ता, नीरज मौर्य, पंकज कुमार, आर्या, अजीत सिंह, विनोद चौहान, जितेंद्र हॉर्टिकल्चर, प्रोफेसर शत्रुघ्न कुमार, प्रोफेसर योगेश कुमार व अन्य भगवती परिजन उत्साह पूर्वक उत्सव में भाग लिए। प्रभु विश्व मानवता, संस्था परिजन व विद्यार्थियों के जीवन में खूब प्रकाश व सफलता लाएं ऐसी प्रार्थना की गई। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

## आरक्षी ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

## लैपटॉप व महत्वपूर्ण दस्तावेज को उसके मालिक को किया सुपुर्द

**संवाददाता सुधांशु अवस्थी**

**सीतापुर।** पुलिस अधीक्षक सीतापुर चक्रेश मिश्र द्वारा जनपदीय पुलिस को भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग एवम् लावारिस स्थिति में मिलने वाले समानों को उनके मालिकों का पता लगाकर सकुशल सुपुर्दगी हेतु निर्देशित किया गया है।

आज दिनांक 22.01.2023 को थाना कमलापुर पर नियुक्त का0 गौरव कुमार व का0 अजय कुमार द्वितीय को क्षेत्र गस्त के दौरान ग्राम सुरैचा के पास एक बैग मिला जिसमें लैपटॉप व चार्जर तथा अन्य मूल दस्तावेज थे। उक्त दस्तावेजो में अंकित मोबाइल नम्बर पर फोन कर उसके मालिक को थाने बुलाया गया तथा खोया हुआ लैपटॉप व चार्जर तथा अन्य मूल दस्तावेज उसके मालिक को सकुशल सुपुर्द किया गया। इस कार्य की आम जनमानस द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की जा रही है ।

## हाईवे पर रही कड़ी चौकसी, रोके गए हजारों लोग

**बाराबंकी।** प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर सोमवार को लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर यातायात बंद रहा। जो वाहन हाईवे पर पहुंच भी गए उन्हें या तो वापस कर दिया या फिर बहराइच हाईवे पर भेज दिया गया। बाइक व अन्य वाहनों से जाने वाले हजारों लोगों व श्रद्धालुओं को रोका गया। चार बजे के बाद अयोध्या से मेहमानों का वापस आना शुरू हुआ जो देर शाम तक चलता रहा। अहमदपुर टोल प्लाजा के आंकड़ों के अनुसार केवल दो हजार वाहन ही हाईवे से गुजरे। 20 जनवरी से डायवर्जन होने के कारण पुलिस पहले से ही हाईवे पर तैनात थी। मगर रविवार की रात चौकसी बढ़ा दी गई। लखनऊ, बाराबंकी व अयोध्या के अफसरों ने वार्ता कर यातायात पर पूरी तरह से रोक लगा दी। सोमवार भोर से लखनऊ सीमा से ही अयोध्या की ओर वाहनों को बाराबंकी नहीं आने दिया जा रहा था।

# सम्पूर्ण राम परिवार पर चन्दन अक्षत पुष्प,फल मिठाई व श्रद्धासुमन अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया पूजन

**द अचीवर टाइम्स ब्यूरो चेतन कुमार**

**हापुड़ ।** वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन यूपी एवं जय श्री राम झंडा संकल्प यात्रा के मुख्य संयोजक व प्रदेश महामंत्री पंडित गोपाल शर्मा ने परिवार सहित अपने आवास प्रभा बिहार हापुड़ में भगवान श्रीराम सीता सहित। सम्पूर्ण राम परिवार पर चन्दन अक्षत पुष्प फल मिठाई श्रद्धासुमन अर्पित किए दीप प्रज्ज्वलित कर प्रथम श्री गणपति पूजन श्री राम की स्तुति वन्दना श्रीराम मूलमंत्र श्रीराम आरती श्री हनुमान चालीसा पाठ संकट मोचन हनुमान की आरती का पूजन विधि विधान पूर्वक किया श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में भव्यमंदिर निर्माण में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की सभी उतर प्रदेश एव भारत वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी उपस्थित सभी लोगों को मिठाई प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर गायत्री शर्मा लक्ष्य शर्मा, वंशिका शर्मा श्री संजय वर्मा, सुबोध त्यागी हर्षित त्यागी पुलकित शर्मा पप्पू शर्मा, करन सिंह?त्यागी आदि लोग शामिल हुए।

# देशभर में अखंड रामायण भजन कीर्तन एवं जयकारों के साथ हुई प्राण प्रतिष्ठा

❖ अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर दीपोत्सव के साथ राममय हुआ पूरा देश।

अनुराग तिवारी

**मोहनलालगंज/लखनऊ।** अयोध्या भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान मोहनलालगंज में सुबह से ही क्षेत्र के मंदिरों में सुंदर कांड पाठ का आयोजन हुआ क्षेत्र वासियों के द्वारा कहीं-कहीं पर रामायण का पाठ रखा गया मोहनलालगंज क्षेत्र में जिस प्रकार त्योहारों में भीड़ रहती है उसी प्रकार बाजारों में हसनुमा माहौल बना रहा व सुबह से ही चिराग पटाखे आदि की बिक्री होने लगी मिठाई की दुकान में भी भीड़ लगी रही फूल की दुकान के फूल दोपहर 1ः00 बजे ही बिक गए मोहनलालगंज क्षेत्र में हर घर भगवा झंडा लहराता रहा और त्यौहार की तरह लोग एक दूसरे से मिलते रहे और कई रैली भगवान श्री राम के झंडे के साथ निकली गई। वही मोहनलालगंज के कालेवीर बाबा सेवादार समिति द्वारा संगीत मय सुंदरकांड का पाठ व भंडारे का आयोजन किया वही राम जानकी मंदिर ठाकुरद्वारा सेवा समिति द्वारा सुंदरकांड का पाठ व प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया वही बहुत ही सुंदर तरीके से प्राण प्रतिष्ठा को मनाया। मोहनलालगंज में मानस ज्वेलर्स के द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन किया गया व सुंदर कांड का पाठ का आयोजन किया गया एवं वीरेंद्र पांडेय गौरव ज्वेलर्स के द्वारा मोहनलालगंज चौराहे पर अपने प्रतिष्ठान के सामने भव्य रामायण पाठ का आयोजन किया गया व अतसबाजी के साथ भंडारे का भी अयोजन किया जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया वहीं आदर्श मार्ट में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें शिवम पांडे सत्यम पांडे के द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया उत्तर प्रदेश स्थित अयोध्या धाम में आज राजनेता उद्योगपति वी आई पी लोगों से भरा रहा अयोध्या जनपद के बॉर्डर 24 घंटे पहले ही सील कर दिए गए थे वह हवाई अड्डे पर चार्टर्ड प्लेन अधिक आने से आसपास के हवाई अड्डे को हाइलाइट मोड पर रखा गया कानून व्यवस्था चौक चौबंद बनाने के लिए उच्च अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए थे प्रदेश के कानून व्यवस्था के लिए बहुत ही बड़ा अवसर था जब विश्व की निगाहें अयोध्या पर थी परंतु देश वा प्रदेश के उच्च अधिकारी व प्रशासन द्वारा व्यवस्थित कार्यक्रम का आयोजन समापन सुरक्षित संपन्न हुआ भगवान श्री राम बाल रूप में विराजमान हुए गर्भग्रह में पहले से निर्धारित शुभ मुहूर्त पर भारत के प्रधानमंत्री ने पूजन अर्चना कर भगवान श्री राम की प्रथम आरती कर भक्तों के लिए मंदिर को खोला गया ।

## राम नाम के रस में डूबा लखनऊ में निकली भव्य शोभा यात्रा

द अचीवर टाइम्स प्रशांत अवस्थी

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ की विधानसभा 172 उत्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली श्री राम शोभा यात्रा। आपको बता दें आज अयोध्या में होने वाले श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर राजधानी लखनऊ में खास माहौल है। जगह-जगह धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में उत्तर मंडल 4 की महिला मंडल अध्यक्ष गुड़िया निगम के नेतृत्व में श्री राम शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में राम भक्त भगवा ध्?वज थामकर शामिल हुई।राजधानी लखनऊ राम नाम के रस में डूब गया है। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर लखनऊ में श्रीराम उत्सव शुरू हो गया है। श्रीराम उत्सव की पूर्व संध्या श्रीराम ध्वज के तले ठाकुर उत्सव लॉन से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ जो तमाम क्षेत्र की गलियों चौराहों से होते हुए विशेश्वर नाथ महादेव मंदिर पर यात्रा का समापन हुआ।इस यात्रा में एकता निगम दीपावली निगम आयुषी गुप्ता दीपांशु गुप्ता तनु निगम अंजली पांडे चांदनी पलक सिंह आयुषी सिंह रिया वाजपेई आस्था बाजपेई आयुषी दीक्षित अंशिका मनीषा पायल पलक सोनम दीपाली सहित सैकड़ों की संख्या में रामभक्त शामिल हुए।

## बैलगाड़ी खाई में पलटी, दबकर किसान की मौत

**गणेशपुर (बाराबंकी)।** रामनगर कोतवाली क्षेत्र में इंजन लादकर जा रही बैलगाड़ी खाई में पलट गई। बैलगाड़ी के नीचे दबकर किसान की मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना शव का अंतिम संस्कार कर दिया। रामनगर क्षेत्र की सरयू किनारे बसी ग्राम पंचायत तपेसिपाह के दुर्गापुर गांव निवासी चंद्रेश (25) रविवार दोपहर अपने पिता गया प्रसाद के साथ खेत की सिंचाई करने गया था। सिंचाई के बाद इंजन को बैलगाड़ी में लादकर वह घर जा रहा था। परिजनों के अनुसार तपेसिपाह की सड़क पर चढ़ते वक्त चंद्रेश बैलगाड़ी में पीछे से धक्का लगा रहा था। इसी दौरान बैलगाड़ी असंतुलित हुई और करीब 16 फिट गहरी खाई में पलट गई। चंद्रेश भी साथ में खाई में गिरा और बैलगाड़ी के नीचे दब गया। जिससे उसका पेट फट गया। परिजनों ने ग्रामीणों के सहयोग से आनन-फानन चंद्रेश को सीएचसी पहुंचाया। सीएचसी से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार युवक अविवाहित था।

## एक नज़र

### रामपुर मथुरा सीतापुर पूर्व जिला पंचायत सदस्य समाजसेवी लल्ला मिश्रा के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया

**रामपुर मथुरा सीतापुर।** श्री छोटेलाल मिश्र बालिका इंटर कॉलेज में समाज के अग्रणी लोगों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें स्वर्गीय लल्ला मिश्रा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया इस अवसर पर छोटेलाल मिश्र राम मनोरथ अवस्थी जगदंबा प्रसाद तिवारी जगदंबा प्रसाद पांडे शीतला प्रसाद शुक्ला जगत राम मिश्रा केशव राम अवस्थी शिवेंद्र शर्मा अभिनय मिश्रा दिलीप सिंह कुलदीप सिंह सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

### शोभायात्रा और सुंदरकांड पाठ से राममय हुई राजधानी, आज होंगे 2000 धार्मिक कार्यक्रम

**नई दिल्ली।** सोमवार को राजधानी के मंदिरों समेत अन्य जगहों पर करीब 2000 धार्मिक कार्यक्रम होंगे। बाजारों में भी जबरदस्त उत्साह है। करीब 700 बाजार पांच लाख दीपों से जगमग होंगे। बाजारों में राम मंदिर से जुड़े सामानों की डिमांड चार गुना तक बढ़ गई है। सदर बाजार में शोभायात्रा और कश्मीरी गेट में राम झंडा यात्रा निकाली जाएगी। अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर राजधानी में रविवार को खासा उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह शोभायात्राएं निकालीं गई तो मंदिरों में सुंदरकांड व रामायण पाठ के आयोजन हुए। राजधानी के बाजारों में रामनामी झंडे, पोस्टर व बैनर छाए रहे। धार्मिक आयोजनों के मध्य जय श्रीराम के नारे गूंजते रहे। देर सायं मंदिर रोशनी से जगमगाते नजर आए। उधर, सोमवार को राजधानी के मंदिरों समेत अन्य जगहों पर करीब 2000 धार्मिक कार्यक्रम होंगे। बाजारों में भी जबरदस्त उत्साह है। करीब 700 बाजार पांच लाख दीपों से जगमग होंगे। बाजारों में राम मंदिर से जुड़े सामानों की डिमांड चार गुना तक बढ़ गई है। सदर बाजार में शोभायात्रा और कश्मीरी गेट में राम झंडा यात्रा निकाली जाएगी। कमला नगर पूरी तरह से भगवामय हो गया है। करोल बाग,लक्ष्मी नगर में सुंदरकांड होगा। दरीबा कलां में दिवाली की तरह लाइटिंग की गई है। भागीरथ पैलेस में लड्डू बांटे जाएंगे। सरोजिनी नगर मार्केट में 21 हजार दीपक जलाने की तैयारी है। लाजपत नगर बाजार को भगवा गुब्बारे से सजाया गया है।

## नायक टाईगर फोर्स टीम का जनहित में अहम भूमिका निभा रहा निगोही,मदनापुर क्षेत्र में जन समस्याओं को लेकर किया भ्रमण दौरान, स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र ,राशन , स्वास्थ्य व्यवस्थाएं राशन ब पेंशन हेतु किया जागरूक

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

**शाहजहांपुर।** नायक टाइगर फोर्स संघ की टीम ने शाहजहांपुर के निगोही,मदनापुर ,विकासखंड में ग्रामीण क्षेत्र में भ्रमण कर गरीब परिवारों से मिलकर जन समस्याएं सुनी । और सरकार द्वारा चलाई जा रहीं परियोजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया । ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवार जो की सरकारी तमाम परियोजनाओं से वंचित लोगों से मिलकर तमाम परियोजनाओं के बारे में गरीब ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी । और नायक टाइगर फोर्स की टीम ने ग्रामीण क्षेत्र में भ्रमण कर गरीब परिवारों को समझाते हुए कहा कि शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार है जो हमें गरीवी से उभार सकता है और अपने हक अधिकार को समझ सकते हैं और उनके बच्चो की पढ़ाई के विषय में अच्छी शिक्षा के लिए प्रेरित किया जिससे उनका भविष्य आत्मनिर्भर बनकर अपना जीवन यापन कर सकें । और नायक टाइगर फोर्स द्वारा गांव-गांव जाकर नशे के शिकार हो रहे हैं नवयुवक को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित किया । और कहा कि गांव के आसपास गंजा जैसे नशीले वृक्षों को नष्ट किया जाए और गांव में सफाई व्यवस्था एवं वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया, और नायक टाइगर फोर्स के पदाधिकारी ने आश्वासन देते हुए कहा कि अन्य कोई जन समस्या या गरीब लोग सरकारी लबों से वंचित है तो आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर नायक टाइगर फोर्स आपके साथ खड़ा है और संगठन के माध्यम से हर संभव मदद 24 घंटे आपके लिए तात्पर्य है और मानव हित सरकारी संबंधित अधिकारियों के सहगोग से नायक टाइगर फोर्स संघ लगातार जन समस्याएं सुनकर उनका निस्तारण करते आ रहा है जिसमे जन हित की अनेक समस्याओं को लेकर नायक टाइगर फोर्स कार्यरत है जैसे भ्रष्टाचार,अत्याचार ,मौलिक अधिकारों का हनन, महिला उद्यान, दहेज, दहेज प्रथा ,श्रमिक शोषण ,बाल श्रम सांप्रदायिक हिंसा ,कैदियों का उत्पीड़न, गैर कानूनी कार्य, भुखमरी एफआईआर दर्ज नहीं करना,अनुसूचित जनजाति एवं जनजातियों के विरुद्ध अत्याचार इत्यादि ऐसी कोई समस्या प्रकट होती है तो नायक टाइगर फोर्स संवैधानिक तौर पर नियमावली के आधार पर जनहित में कार्यरत है

## पीड़ित का आरोप दबंगों द्वारा पांच लाख की मांगी रंगदारी ना देने पर थाना रोजा पर लिखवाया 307 आदि में फर्जी मुकदमा

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। थाना रोजा छेत्र अंतर्गत मोहल्ला लोधीपुर निवासी अनीस खान का आरोप है कि आसमा बेगम निवासी मोहल्ला लोधीपुर ने अपने दामाद आदि से दबंगई से कब्रिस्तान में हरे भरे पेड़ों को चोरी की नियत से काट लिया गया जिसकी सूचना थाना रोजा पर प्रार्थना पत्र दिया गया जिसकी रंजिश मानते हुए आसमा बेगम ने पीड़ित पक्ष अनीस खान पर अवैध कब्जा करने एवं फर्जी फायरिंग का निराधार आरोप लगाकर थाना रोजा पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराया जो की पीड़ित अनीस खान ने बताया आसमा बेगम द्वारा पांच लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई ना देने पर साजिश रच झूंठा मुकदमा दर्ज कराया गया जबकि सीसीटीवी कैमरे में फायरिंग का कोई वीडियो नही है बही जिस मकान पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया बो मकान 30 वर्षों से बरत रहे जिसका बैनामा भी उपलब्ध है पीड़ित अनीस खान ने शाहजहांपुर प्रशासन से आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग की क्योंकि आरोपी पक्ष लगातार फर्जी प्रार्थना पत्र थाने पर देकर पुलिस को गुमराह करने का काम कर रहे

## हिमालयन में पूजा पाठ कर भंडारे का प्रसाद वितरण

द अचीवर टाइम्स/ रजनीश कुमार

**बीकेटी लखनऊ।** 22 जनवरी सोमवार को पावन धाम अयोध्या में प्रभु श्री राम जी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष में हिमालयन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में मंदिर को पुष्पों से सुसज्जित किया गया। तदोपरांत सुंदरकांड पाठ पूजन हवन के साथ संपन्न हुई। इसी के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सजीव प्रसारण की भी व्यवस्था की गई। रामलाल के अयोध्या आने पर प्रांगण में उपस्थित सभी लोगों ने फूलों से होली खेलकर उत्सव मनाया गया। समारोह के उपरांत भंडारे का भी आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य पर मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष लखनऊ विनय प्रताप सिंह, संस्थान के सेक्रेटरी धना बाफिला, महानिदेशक डा समता बाफिला, वाइस चेयरमैन विक्रम सिंह बाफिला, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर करिश्मा बाफिला, डायरेक्टर डा प्रीतेश सक्सेना, कुम्हरावा मंडल अध्यक्ष विमलेश मिश्रा, लखनऊ किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अतुल मिश्रा, आईटी सेल विवेक सिंह, विनोद, संजय आदि सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

## रामनगरी के हर गांव में प्राण प्रतिष्ठा का उल्लास

संवाददाता

**सूरतगंज बाराबंकी।** अयोध्या में हो रहे रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारी में पूरे भारतवर्ष के लोगों ने विभिन्न कार्यक्रमों से वातावरण में केवल राम धुन सुनाई पड़ रही कहीं पर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम कहीं पर कलश यात्रा कहीं पर कीर्तन भजन कार्यक्रमों से वातावरण केवल चारों तरफ रामधुन रामधुन सुनाई पड़ रहा है सूरतगंज अमृत सरोवर पर बना हुआ हनुमान मंदिर पर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को किया जा रहा जिसके लिए पूरे नगर के अंदर मूर्ति भ्रमण राम धुन के साथ कराया गया जिसमें ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गुड्डू बारी, मंडल अध्यक्ष सुशील वर्मा, मंडल उपाध्यक्ष सुनील वर्मा, मीडिया प्रभारी शेष कुमार सिंह, रामानंद वर्मा, चंदन सिंह बजरंग दल, अभिषेक बारी, मोनू वर्मा, राजू शुक्ला, भारतीय जनता पार्टी जिला उपाध्यक्ष शेखर हयारण ,अजय वर्मा, जैसे सैकड़ो कार्यकर्ता ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया वहीं एण्डौरा ग्राम पंचायत में बने शिव मंदिर पर कार्तिके भगवान मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में इस तरह की ठंड में हजारों की संख्या में महिलाएं बच्चे एवं बुजुर्गों ने रामधुन गाते हुए नजर आए।

## दिनेश नगर अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन ने 11 लोगों को किया सम्मिलित

द अचीवर टाइम्स ब्यूरो चेतन कुमार

**हापुड़।** पिलखुवा में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर दिनेश नगर अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन ने एक विकास समिति का गठन किया गया है। जिसमें दिनेश नगर के सम्मानित 11 लोगों को सम्मिलित किया गया है । मंच की अध्यक्षता कर रहे। दिनेश नगर के डायरेक्टर डॉ विपिन मित्तल एवं दिनेश नगर अपार्टमेंट ऑनर संगठन के अध्यक्ष चौधरी श्रीनिवास सिंह तेवतिया द्वारा सभी 11 लोगों को प्रमाण पत्र दिया गया है। जिसमें संगठन के सभी सदस्यों ने भाग लिया। प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर प्रसाद भी वितरण करवाया गया है। इस मौके पर संगठन के उपाध्यक्ष निर्मल राणा, सचिव समरजीत सिंह , कोषाध्यक्ष हरेश मित्तल , प्रमोद रावत, सुमित सारस्वत, भरमपाल, सुभाष गोयल ,पी सी चरण, सगीर अहमद ,नीतू सिंह, रमन तिवारी, रुपेश आर्या, पूजा ,आरती चौधरी, अजय कश्यप , सोमा अत्रि, सत्येंद्र तेवतिया आदि लोग उपस्थित रहे।

## ग़ज़ल

ज़बर से ज़ेर क्यूँ कर हो रहे हो।
समय नायाब इतना खो रहे हो।
चलो यलगार को तैयार हो फिर,
पराजय देख कर क्यूँ रो रहे हो।
चलो अब जीत में बदलें पराजय,
निराशा क्यूँ भला तुम बो रहे हो।
फ़क़त इक हार ही तो हुई है,
समय है जागने का सो रहे हो।
तुम्हे ही तो ज़माने को बदलना,
भला चुप बैठ कर क्यूँ रो रहे हो।

हमीद कानपुरी,
अब्दुल हमीद इदरीसी,
मीरपुर, कैण्ट, कानपुर -208004

# ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने किया स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता

**अयोध्या।** सूर्यवंश की गौरवशाली राजधानी अब सूर्य की ही आभा से नव्य-भव्य स्वरूप को प्राप्त करने के साथ ही वैश्विक कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा के अथक प्रयासों से अयोध्या को सोलर सिटी के मॉडल के तौर पर प्रोजेक्ट किया जा रहा है। अयोध्या के सरायरासी और रामपुर हलवारा में राज्य सरकार और एनटीपीसी के संयुक्त सहयोग से स्थापित हो रही 40 मेगवाट सौर उर्जा परियोजना का ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा जी ने स्थलीय निरिक्षण किया। निरिक्षण के दौरान मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि अयोध्या धाम श्री राम की नगरी है और भगवान राम सूर्य के उपासक हैं। अयोध्या नगर को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने के लिये एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड द्वारा 40 मेगावॉट सौर उर्जा परियोजना का निर्माण कार्य प्रगति पर है और जल्द ही हम इसे पूर्ण करते हुए श्री राम के चरणों में समर्पित कर देंगे। निरिक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री ने एनटीपीसी के सीएमडी सहित पूरी टीम एवं ऊर्जा परिवार को कार्य नगण्य समय में पूरा करने के लिए बधाई दी है। साथ ही मा. प्रधानमंत्री जी, मा. मुख्यमंत्री जी और केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह को को भी सादर नमन करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है। प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा जी ने प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दो दिन पूर्व अयोध्याधाम में ऊर्जा विभाग द्वारा कराये गए कार्यों का निरिक्षण किया। उन्होंने सरायरासी और रामपुर हलवारा में राज्य सरकार और एनटीपीसी के संयुक्त सहयोग से स्थापित हो रहे सौर्य ऊर्जा प्लांट की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। ऊर्जा मंत्री श्री शर्मा ने 14 मेगावाट की क्षमता के प्लांट की शुरुआत होने पर सभी कर्मियों समेत अयोध्या और प्रदेश की जनता को बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही सूर्य के उपासक श्री राम की नगरी सौर्य ऊर्जा से जगमगाएगी। अयोध्या धाम में स्थापित हो रही सौर उर्जा परियोजना अवधपति की सेवा में समर्पित है। अयोध्या धाम को देश की पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित करने के लिये एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड द्वारा 40 मेगावॉट सौर उर्जा परियोजना का निर्माण कार्य प्रगति पर है और जल्द ही हम इसे पूर्ण करते हुए श्री राम के चरणों में समर्पित कर देंगे। ऊर्जा मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि इस परियोजना से उत्पादित विद्युत, दर्शन नगर बिजलीघर को 132 किलोवोल्ट, 5.5 किमी लम्बी ट्रॅन्समिशन लाइन द्वारा संचारित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से लगभग 8.65 करोड़ यूनिट का वार्षिक उत्पादन होगा, जो अयोध्या नगर की 30 प्रतिशत ऊर्जा की आपूर्ति करेगा और लगभग 80 हज़ार टेन कार्बन उत्सर्जन में कमी भी आएगी। अयोध्या धाम में स्थापित हो रहे 40 मेगावॉट के सौर्य ऊर्जा परियोजना के निर्माण में लगभग 1.04 लाख 550 वॉट के बाईफेसिअल सोलर पैनल लगाये जाने हैं। जिसमें 36 हजार पैनल्स लगायें जा चुके हैं। इस परियोजना को भगवान श्री राम के चरणों में समर्पित करने के लिए के 300 से 350 कार्मिक एवं 25-30 अभियंता अपनी पूर्ण निष्ठा के साथ दिन-रात प्रयासरत हैं। अयोध्या के लिए बनी विशिष्ट कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) जल्द ही %दुनिया की सबसे बड़ी सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइट्स लाइन% परियोजना को पूर्ण करके वैश्विक कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में तेजी से प्रयास कर रहा है। श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा का पूरे विश्व में सनातन धर्म उत्सव का माहौल मना रहा है। यूपीनेडा भी सूर्यवंश की गौरवगाथा को नया प्रतिमान देते हुए सोलर पावर्ड स्ट्रीट्स लाइट्स की सबसे लंबी श्रृंखला को अयोध्या में संचालित कर दी है। इस परियोजना के तहत 10.15 किमी के स्ट्रेच में 470 सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइट्स लगाकर यूपीनेडा अयोध्या की गौरवगाथा में एक नया अध्याय जोड़ रही है। अयोध्या में लक्ष्मण घाट से लेकर गुप्तार घाट होते हुए निर्मली कुंड तक 10.2 किमी के स्ट्रेच में 470 सोलर स्ट्रीट लाइट्स लगायी गयी हैं. लक्ष्मण घाट से गुप्तार घाट तक 310 सोलर लाइट्स को इम्पैनल्ड करके रोलआउट कर दिया गया है। गुप्तारघाट से लेकर निर्मली कुंड तक 1.85 किमी के स्ट्रेच में 160 सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइटें लगाई गयी हैं। यह सभी सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइटें एलईडी बेस्ड हैं जो कि 4.4 वॉट पावर पर कार्य करती हैं तथा स्मार्ट टेक्नोलॉजी युक्त हैं। इनके इंस्टॉलेशन के जरिए लक्ष्मण घाट से लेकर निर्मली कुंड तक 10.2 किमी का स्ट्रेच दूधिया रोशनी से जगमगा रहा है। वहीं 2500 सोलर स्ट्रीट लाइट, 500 स्मार्ट सोलर स्ट्रीट लाइट, 40 सोलर ट्री, अनेक सोलर वॉटर एटीएम तथा सोलर बोट भी कार्यान्वित हैं। सोलर बोट से अयोध्या धाम के त्रेतायुगीन वैभव को पुनर्स्थापित करने का प्रयास । उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अयोध्या के त्रेतायुगीन वैभव को पुनर्स्थापित करने के लिए देश की पहली सोलर पावर इनेबल्ड ई-बोट को सरयू में उतारा है। यूपीनेडा ने अयोध्या की सरयू नदी में इस बोट सर्विस के नियमित संचालन शुरू कर दिया है।

# आत्महत्याओं के सवालों में घिरा IIT इंस्टीट्यूट, काउंसलर ने दिए विस्फोटक स्थिति के संकेत, छात्रों के मन में डर!

संवाददाता

**लखनऊ/कानपुर।** कानपुर आईआईटी में लगातार तीन स्टूडेंट की आत्महत्या से कैंपस में डर का माहौल पैदा हो गया है। इसके साथ ही देश भर में फिर से द्धद्धज्ञ के स्टूडेंट्स के बढ़ते सुसाइड केस की चर्चा तेज हो गई है। कई द्धद्धज्ञ के पूर्व और वर्तमान छात्रों ने सुसाइड के पीछे की असली वजह एनबीटी के साथ साझा की। देश की सबसे मुश्किल परीक्षाओं में से एक जेईई मेन और एडवांस को पास करने के बाद आईआईटी कैंपस में स्टूडेंट्स को जगह मिलती है। यहां पहुंचने के बाद बच्चों को अपना सपना साकार होने जैसा लगता है। हालांकि आईआईटी कैंपस में लगातार हो रहे सुसाइड से कहानी कुछ और ही दिखाई पड़ रही है। कानपुर आईआईटी में 30 दिन के अंदर ही तीन स्टूडेंट्स के सुसाइड ने सबको हिलाकर रख दिया है। एक तरफ आईआईटी कानपुर इस पर खुलकर बात नहीं कर रहा, दूसरी तरफ स्टूडेंट्स और परिजनों के मन में आईआईटी का खौफ बढ़ता जा रहा है। राज्यसभा के शीतकालीन सत्र में भी आईआईटी कैंपस समेत उच्च शिक्षण संस्थानों में स्टूडेंट्स के सुसाइड का मामला जोरशोर से उठाया गया। इन सबके बाद भी ऐसे मामले नहीं रुक रहे हैं। ऐसे में एनबीटी ने आईआईटी के कुछ पूर्व और वर्तमान स्टूडेंट्स से वहां के माहौल को समझने की कोशिश की। साथ ही कैंपस के अंदर मीडिया की पाबंदी की वजह भी जानने का प्रयास किया गया। इससे जुड़ी रिपोर्ट आपके सामने पेश है... आईआईटी बीएचयू के पूर्व छात्र और स्टूडेंट पार्लियामेंट वाइस प्रेसिडेंट साई रेड्डी ने विस्तार से माहौल व अन्य मुद्दों पर बात की। उन्होंने ने बताया कि आईआईटी बीएचयू का लाइफ स्टाइल काफी अलग है। अगर अन्य आईआईटी से तुलना करेंगे, तो यहां पर सुसाइड के आंकड़े काफी कम मिलेंगे। यहां का प्लस प्वाइंट है कि हम लोग बाहर जा सकते थे, बाहर से लोग अंदर आ सकते थे। यहां पर डिपार्टमेंट में इतनी ज्यादा सख्ती नहीं है। वहीं दूसरे आईआईटी में डिपार्टमेंट के प्रोफेसर का प्रेशर काफी ज्यादा रहता है। वहीं पीएचडी स्टूडेंट्स पर उनके प्रोफेसर ज्यादा प्रेशर डालते हैं। साई रेड्डी ने आगे कहा, कई बार प्रोफेसर का प्रेशर वजह बनती है। वहीं दूसरी तनाव में बड़ी वजह जोन आउट (लोगों ने अलग होना) बनती है। इस दौरान वो अकेलेपन से सुसाइड के रास्ते पर चले जाते हैं। पीएचडी के मामले में बात की जाए तो कई बार गाइड से हेल्प नहीं मिल पाती है। वहीं बीटेक और एमटेक के मामले में एक ही पेपर में कई बार बैक आने से बच्चा तनाव में चला जाता है। इस दौरान अगर दूसरे बच्चे आगे निकल जाते है तो वो सुसाइड के ख्याल से घिर जाता है। स्टूडेंट काउंसलिंग की बता की जाए तो आईआईटी में बहुत खराब माहौल है। कुछ खास मदद नहीं मिलती है। बल्कि स्टूडेंट बॉडी (पार्लियामेंट) इसमें ज्यादातर सोशल सर्विस करती है। साई रेड्डी ने बताया कि वो जब वाइड प्रेसिडेंट थे तो काउंसलिंग सर्विस बीएचयू आईआईटी में शुरू कराई थी। कई बार एडमिनिस्ट्रेशन स्टूडेंट्स को इसके बारे में आगे आकर ठीक तरीके से जानकारी नहीं देता है। बीचएयू में एक सुसाइड के बाद योर दोस्त नाम से पोर्टल बनाया गया था। तब स्टूडेंट अपनी पहचान बिना बताए समस्या लिख सकते थे। साइकेट्रिस्ट और साइकोलॉजिस्ट से मिलने के लिए फ्री में अपॉइंटमेंट बुक कर सकते थे। ये 2017 से दो साल तक चला। इसी कंपनी ने कानपुर और खड़गपुर आईआईटी में भी सुविधा शुरू की थी। जहां तक मुझे पता है कि ये शायद जारी नहीं रहा, क्योंकि इसके लिए 10 लाख रुपये हर साल भुगतान करना होता था। ये स्टूडेंट के लिए काफी अच्छी सुविधा हो सकती है। आईआईटी में स्टूडेंट की पेपर में बैक या ग्रेड के बारे में परिवार को बताने का कोई सिस्टम नहीं है। उन्हें लगता है कि स्टूडेंट इसे खुद संभाल सकता है। आईआईटी का मानना ये भी हो सकता है कि इससे स्टूडेंट पर उसके परिवार का प्रेशर भी बढ़ेगा। वहीं साई रेड्डी ने अपने बैच के स्टूडेंट्स के बारे में कहा, काफी बच्चे डिप्रेशन में चले गए थे। इसमें खराब ग्रेड (एग्जाम में मार्क्स) बड़ी वजह थी। उन्होंने एक वजह कैंपस के आस-पास मिलने वाले नशीले पदार्थ की भी बताई। दबाव में कुछ स्टूडेंट इसके चलते गलत कदम भी उठा लेते हैं। साई रेड्डी ने कहा, आईआईटी के लिए एंट्रेंस एग्जाम पास कर कैंपस के अंदर आने प्रेशर बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। यहां पर परफॉर्मेंस से ज्यादा फियर (डर) का प्रेशर है। आईआईटी कैंपस में आकर ऑल इंडिया रैंक वन लाने वाला स्टूडेंट भी एक बार ये महसूस करता है। पढ़ाई के साथ ही एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी भी एक बड़ी वजह है। कई बार वेटेज नंबरों से सीट पाने वाले स्टूडेंट दूसरे बच्चे के साथ पढ़ाई में बराबरी नहीं कर पाते, ये डिप्रेशन की एक आम समस्या बन जाती है। लोग ग्रामीण परिवेश के साथ अलग भाषा वाले राज्यों से भी आईआईटी पहुंचते है, इन्हें दूसरे स्टूडेंट्स के साथ घुलने मिलने में काफी वक्त लगता है। इस दौरान भेदभाव भी देखने को मिलता है, लेकिन ज्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता है। जब मैं खुद फर्स्ट ईयर में




था, तो कई तरह के डर का सामना करता था। कैंपस में एक-दूसरे के साथ खुद की तुलना काफी हावी होती है। हालांकि उसके बाद पता चलता है कि सब किसी न किसी फील्ड में अच्छा कर रहे हैं। बाद में पता चलता है कि आप बस कोर्स को ठीक से पढ़ते रहें तो कैंपस प्लेसमेंट के अलावा भी अच्छी नौकरी पा सकते हैं। आईआईटी बीएचयू पासआउट साई रेड्डी ने बताया, उन्होंने बीटेक प्लस एमटेक किया था। 2013 से 2018 तक कैंपस का हिस्सा रहें। फिलहाल बतौर फाउंडर हैदराबाद में एक स्टार्टअप कंपनी के ओनर हैं। आईआईटी कानपुर 2019 से पासआउट एक्स स्टूडेंट (नाम न लिखने की शर्त पर) ने बताया कि आईआईटी में प्रेशर और फ्रस्ट्रेशन के कुछ प्रमुख कारण है। इसमें एकेडमिक प्रेशर, परिवार का प्रेशर, पर्सनल रिलेशनशिप प्रॉब्लम सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। मेरे टाइम में हिंदी मीडियम वाले दोस्त कैंपस में थे, उनको इंग्लिश समझने में काफी दिक्कत होती थी। आईआईटी कानपुर का एकेडमिक करिकुलम दूसरे द्धद्धज्ञह्य के मुकाबले काफी कठिन है। कई बार उन्हें पास करने में काफी दिक्कत आती है। ऐसे में जब पेपर में बैक पर बैक लगती है तो अच्छा खासा इंसान डिप्रेशन में चला जाता है। इस बीच उन्हें परिवार की इच्छाएं भी दिखने लगती है। अपने कई दोस्तों को उस समय इमोशनल और फाइनेंस लेवल पर सपोर्ट किया, ताकि वो कोई गलत कदम न उठाएं, तब बात नहीं बिगड़ी। कम उम्र में बीटेक लेवल पर आईआईटी क्लियर करने वाले बच्चों में कॉन्फिडेंस ज्यादा रहता है। इन्हें प्रोफेसर का भी सपोर्ट मिलता है, वो हेल्प भी करते हैं। यहां प्रोफेसर कोर्स और पास होने तक जुड़े रहते हैं। वहीं एमटेक और पीएचडी में थीसिस (शोध) जुड़ जाता है। इसमें प्रोफेसर का नाम भी जुड़ जाता है। ऐसे में प्रोफेसर की भी जिम्मेदारी बन जाती है कि थीसिस बिल्कुल नए टॉपिक पर होना चाहिए। अगर इन मानक पर ध्यान नहीं दिया गया तो ये रिजेक्ट हो जाती है। ऐसे में न चाहते हुए भी प्रोफेसर की तरफ से स्टूडेंट पर प्रेशर बढ़ जाता है। ये थीसिस नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर जाती है। ऐसा नहीं है कि प्रोफेसर कुछ गलत सोचकर प्रेशर डालते हैं, वो भी चाहते हैं कि कॉलेज और स्टूडेंट का नाम हो। मुझे जिस सब्जेक्ट में दिलचस्पी थी, किस्मत से उसके प्रोफेसर अच्छे मिले। वहीं कुछ ऐसे भी थे, जिन्हें कोई मतलब भी नहीं था। ऐसे थे कि कोर्स पूरा करो और नौकरी लेकर कैंपस से बस आगे बढ़ो। इन प्रोफेसर का टारगेट कोर्स पूरा करने तक था। कुल मिलाकर सब कुछ खराब नहीं कहा जा सकता है। आईआईटी में हो रहे सुसाइड केस को रोकने के लिए एक्स स्टूडेंट ने कुछ सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि कानपुर ही नहीं हर आईआईटी कॉलेज में एक काउंसलिंग कमेटी होनी चाहिए। कम से कम एमटेक और पीएचडी स्टूडेंट्स के लिए इसका खास ध्यान दिया जाए और असेसमेंट हो। ऐसा नहीं है कि इसकी आईआईटी में व्यवस्था नहीं है, लेकिन इसकी जानकारी बहुत कम है। इसे जरूरत के हिसाब से नहीं बल्कि अनिवार्य स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। कानपुर आईआईटी में भी काउंसलिंग सर्विस है, लेकिन इसमें सीनियर्स का इंवॉलमेंट ज्यादा होना चाहिए। ये नए स्टूडेंट्स को ज्यादा बेहतर गाइड कर सकते हैं। इसमें उनका चुनाव किया जाए जो डरे हुए स्टूडेंट के इमोशनल पार्ट को ज्यादा बेहतर समझें। आईआईटी बीएचयू से 2021 में बीटेक पास आउट कार्तिक का कहना है कि कोर्स को ठीक से पढ़ा जाए तो अच्छे नंबर लाए जा सकते हैं। मुझे नहीं लगता है कि इसका कोई प्रेशर होता है। हालांकि प्लेसमेंट के समय जब कंपनियां आती है तो उसके लिए 6 महीने से 1 साल तक तैयारी करने में चला जाता है। ये एक बहुत बड़ा प्रेशर है, मैंने खुद भी इसका सामना किया है। ये लगता था कि कहीं जल्दी जॉब लग जाए बस। कॉलेज लाइफ में प्लेसमेंट और जॉब को लेकर सबसे ज्यादा प्रेशर महसूस किया। उन्होंने बताया कि ज्यादातर अच्छी कंपनियां 8 कम्युलेटिव ग्रेड पॉइंट एवरेज (सीजीपीए) वाले स्टूडेंट्स को ही कैंपस प्लेसमेंट में बैठने का मौका देती हैं। फर्स्ट ईयर में स्टूडेंट कुछ ज्यादा दबाव लेते हैं। आईआईटी में सलेक्शन के साथ मनपसंद कॉलेज को लेकर भी लोगों में टेंशन रहती है। मनपसंद कॉलेज नहीं मिलने के बाद मैंने कैंपस में कुछ लोगों को दबाव महसूस करते देखा। आईआईटी बीएचयू, रुड़की, कानपुर को टॉप रैंकिंग कॉलेज में गिना जाता है। कार्तिक ने बताया कि एमटेक और पीएचडी स्टूडेंट्स के लिए प्रेशर ज्यादा होता है, क्योंकि उनके लिए प्लेसमेंट के मौके बीटेक स्टूडेंट्स के मुकाबले कम होते हैं। ज्यादातर कंपनियां बीटेक स्टूडेंट्स को लेना पसंद करती हैं। वहीं जिन स्टूडेंट्स की बीटेक बैक बची होती है, उन्हें दिक्कत आती है। लेकिन इन्हें बैक क्लियर करने के लिए जून और जुलाई समर टर्म में मौका मिलता है। स्टूडेंट्स इसके जरिए खुद को हिम्मत दे सकते हैं। इसके जरिए सुसाइड के केस होने से बचाया जा सकता है। (बता दें कि इस समय कार्तिक बेंगलुरु की एक कंपनी में नौकरी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनका इस कंपनी में कैंपस प्लेसमेंट हुआ था।) आईआईटी बीएचयू सेकेंड ईयर स्टूडेंट्स यशवंत ने बताया कि हमारे यहां फिलहाल माहौल काफी अच्छा है। बीटेक कोर्स में स्टडी और करिकुलम एक्टिविटी काफी अच्छी है। यशवंत ने कानपुर आईआईटी की हाल की घटनाओं के संबंध में कहा कि सुना है, वहां स्टूडेंट्स पर इंस्टीट्यूट में प्रेशर काफी ज्यादा है। बीएचयू आईआईटी की काउंसलिंग में बताया कि वो अभी भी वर्किंग है। साथ ही सीनियर भी अच्छी से गाइडेंस देते हैं। प्रोफेसर का बर्ताव भी उनके सभी के लिए अच्छा है। आईआईटी बीएचयू से 2018 में पास आउट एक स्टूडेंट ने नाम न लिखने की शर्त पर अपने अनुभव साझा किए। राहुल (बदला हुआ नाम) का कहना है कि हर कैंपस का अपना एक स्तर है। कानपुर कैंपस के बारे में ज्यादा एकेडमिक प्रेशर की बात हम लोगों ने भी सुनी है। आईआईटी में सबसे बड़ी बात ये है कि अलग-अलग राज्यों और शहरों से स्टूडेंट पहुंचते हैं। काफी लोगों को भाषा की दिक्कत भी आती है। कैंपस में इंग्लिश में पढ़ाया जाता है, जिससे कई स्टूडेंट पीछे छूट जाते है। कई बार ये स्टूडेंट, प्रोफेसर और दूसरे बच्चों के साथ बराबरी नहीं कर पाते। ये एक बड़ी वजह सुसाइड के केस में बन जाती है। बीटेक की बात की जाए तो तीसरे और चौथे साल में प्रेशर काफी बढ़ जाता है।

## एक नज़र

### अयोध्या में राम मंदिर से पहले बिहार में श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन, नीतीश ने की शुरुआत

**समस्तीपुर।** अयोध्या में भव्य राम मंदिर की खबर सब जगह छाई हुई है। 22 जनवरी को रामलला प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम है। देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। इससे एक दिन पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समस्तीपुर में श्रीराम-जानकी मेडिकल कॉलज अस्पताल का उद्घाटन कर दिया। अयोध्या में रामलला प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारी आखिरी दौर में है। 22 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम में देश-विदेश के मेहमान पहुंच रहे हैं। जहां देखिए वहीं, राम मंदिर की चर्चा हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस भव्य कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इसके लिए विशेष अनुष्ठान भी चल रहा है। इन सबके बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक दिन पहले ही समस्तीपुर में श्रीराम-जानकी के नाम पर एक मेडिकल कॉलेज अस्पताल (स्त्र्ध्रुस्ह्य) का उद्घाटन किया। शानदार कैंपस वाला ये अस्पताल सरायरंजन में बनाया गया है। यहां पर एमबीबीएस की भी पढ़ाई होगी। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारी है। इससे एक दिन पहले बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने समस्तीपुर के लोगों को श्रीराम-जानकी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की बड़ी सौगात दी। उद्घाटन कार्यक्रम में सीएम के साथ डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। 2019 में नीतीश कुमार ने ही श्रीराम-जानकी मेडिकल कॉलेज अस्पताल की नींव रखी थी। सरायरंजन प्रखंड के नरघोघी में मेडिकल कॉलेज अस्पताल बनाने के लिए एक मठ ने दान में जमीन दी थी। फिर 6 नवंबर 2019 को बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने श्रीराम-जानकी मेडिकल कॉलेज अस्तपताल का शिलान्यास किया था। बताया जा रहा है कि ये मेडिकल कॉलेज अस्पताल अपने तय सीमा में बनकर तैयार हुआ है। नरघोघी में बना ये राज्य का 12वां मेडिकल कॉलेज अस्पताल है।

### नाभा जेल से आने के बाद सुखपाल खैरा का दिखा नया रूप, बोले- बीबी जागीर कौर मैं तेरा वी भला चाहुंदा हां

**पंजाब।** विधायक खैरा ने कहा कि 'मैं तां उहदे नाल धक्का वी कीता... बीबी जागीर कौर मैं तेरा वी भला चाहुंदा हां। बोले कि एसजीपीसी तों जे तेनूं हटाउंदे ने... तेरा सपोटर मैं बैठा हां... सपोर्ट च हां। बिक्रम मजीठिया का शुक्रिया अदा कर बोले कि बिक्रम के साथ ऐसा हुआ तो सबसे पहले मैं खड़ा होऊंगा। 'मैं तां बीबी जागीर कौर नाल जिंदगी च थोड़ा बहुत धक्का वी कीता...मैं ते मांफी मंगन च कदे संग(शर्म) नहीं कीती...टीवी दे सामने कहदा हां...बीबी जागीर कौर मैं तेरा वीं भला चाहुंदा आं... तैंनू वी वेखना चाहुंदा हां की तरक्की कर..., जिहड़ी तुस्सी गल्ल कहीं आ के एसजीपीसी दे प्रधान लिफाफे चों नहीं निकलने चाहीदे, जेकर एसजीपीसी तों तैनूं हटाउंदे नें तां बीबी जागीर कौर जी तेरा सपोर्टर मैं बैठा हां। यह बातें नाभा जेल से बाहर आए भुलत्थ विधायक सुखपाल सिंह खैरा ने अपने गृह निवास गांव रामगढ़ (भुलत्थ) में पहली वर्कर रैली के दौरान अपने दिल के वलवले(जज्बात) सांझे करते हुए कहीं। रैली में सुखपाल सिंह ने यह भी दोहराते हुए कहा कि उनके खिलाफ मामले (2015 एनडीपीएस और हाल ही में सुभानपुर एफआईआर) झूठे थे। वह इनमें सीबीआई जांच की मांग करेंगे। विडंबना यह है कि जबकि मूल 2015 का मामला उनके खिलाफ अकाली शासन के दौरान दर्ज किया गया था, यह उनके अकाली सहयोगियों के लिए था। खैरा ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर आप और शिअद की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। जेल में उनसे मिलने आए अपनी पार्टी के नेताओं को धन्यवाद देते हुए खैरा ने यह भी कहा कि राज्य में आप-कांग्रेस गठबंधन की संभावना नहीं है। शिअद नेता बिक्रम मजीठिया पर बोलते हुए खैरा ने कहा, %बिक्रम मजीठिया एक विपक्षी नेता हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि खैरा के साथ अन्याय हो रहा है। मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं और मैं 100 प्रतिशत अधिकार के साथ कहता हूं कि जिस तरह से मुझे झूठे ड्रग्स मामले में निशाना बनाया गया है।

## हिमंत बिस्व सरमा मोदी का चेला, BJP के गुंडों ने किया राहुल गांधी पर हमला, असम पहुंचते ही भड़के खरगे

एजेंसी



**गुवाहाटी।** राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा असम पहुंची हैं। यहां मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि बीजेपी भारत जोड़ो न्याय यात्रा की सफलता से इतनी डर गई है कि उन्होंने प्रदेश कांग्रेस प्रमुख पर हमला करवा दिया। मल्लिकार्जुन खरगे ने सीएम हिमंत बिस्व सरमा पर जमकर निशाना साधा और उन्हें चेला बताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा पर निशाना साधा। खरगे ने असम के मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का %चेला% बताया। खरगे ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री बीजेपी आलाकमान के निर्देश पर राज्य में चल रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हमला कर रहे हैं। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री को देश में दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्गों को डराने की आदत है। यह टिप्पणी कांग्रेस के उस आरोप के बाद आई है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान असम के कुछ हिस्सों में भाजपा कार्यकर्ताओं के उसके वाहनों पर हमला किया जा रहा था। नागांव में जनता को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, %भारत जोड़ो न्याय यात्रा 15 राज्यों को पार करेगी। इससे पहले यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक की गई थी। उस समय कहीं भी पथराव नहीं हुआ था। हमें डराने की कोई कोशिश नहीं की गई। असम में ऐसा क्यों हो रहा है? क्योंकि वह (असम के सीएम) पीएम मोदी के %चेला% हैं। वह आंख मूंद कर अपने साहब की बात सुनते हैं। शाह को जो कहना है, वह उसे सुनता है। वह देश के दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्गों को डराते हैं। लोगों को डराकर वह अगले चुनाव पर काम कर रहे हैं। इससे पहले आज कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि असम के जुमुगुड़ीहाट में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके वाहन पर हमला किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और गुंडों की ओर हाथ हिलाया। उन्होंने दावा किया कि वे अनियंत्रित भीड़ वाले बीजेपी के लोग थे। उन्होंने यह भी कहा कि वे राहुल गांधी पर हमला करने आए थे। उन्होंने हमले के लिए राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत सरमा को दोषी ठहराया। इससे पहले, शनिवार को कांग्रेस ने इसी तरह के आरोप लगाए गए थे, जिसमें दावा किया गया था कि %भारत जोड़ो न्याय यात्रा% के काफिले पर असम के लखीमपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गुंडों ने हमला किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पार्टी भाजपा के पिट्ठों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करेगी। राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के आठवें दिन रविवार को राजगढ़-होलोंगी (असम-अरुणाचल प्रदेश) सीमा से राज्य में फिर से प्रवेश करके असम में अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दूसरे चरण को फिर से शुरू किया।

## तमिलनाडु के मंदिरों में राम पूजा और प्राण प्रतिष्ठा का प्रसारण बैन! निर्मला

संवाददाता

**तमिलनाडु।** निर्माल सीतारमण ने कहा, निजी रूप से प्रबंधित मंदिरों को भी कार्यक्रम आयोजित करने से पुलिस रोक रही है। वे आयोजकों को पंडाल तोड़ने की धमकी दे रहे हैं। हिंदू विरोधी, इस घृणित कार्रवाई की कड़ी निंदा करती हूं। तमिलनाडु कि सियासत में हलचल मच गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आरोप लगाया है कि एमके स्टालिन सरकार ने प्रबंधित मंदिरों में अयोध्या राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन भगवान राम की पूजा पर रोक लगा दी है। वहीं, राज्य सरकार ने इस दावे से इनकार किया है और इसे झूठी खबर करार दिया है। सीतारमण ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, %तमिलनाडु सरकार ने 22 जनवरी 2024 के अयोध्या राम मंदिर कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण देखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। तमिलनाडु में श्री राम के 200 से अधिक मंदिर हैं। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ धर्मादा (एचआर एंड सीई) प्रबंधित मंदिरों में श्री राम के नाम पर कोई भी पूजा/भजन/प्रसादम/अन्नदानम की अनुमति नहीं है।

## केंद्रीय विद्यालय में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता 23 को, कुल 100 विद्यार्थी लेंगे भाग




संवाददाता

**शिवपुरी।** परीक्षा पे चर्चा अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए मंत्रों पर आधारित जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय शिवपुरी में 23 को किया जाएगा, जिसमें जिले के केंद्रीय विद्यालय नवोदय विद्यालय सीबीएसई मान्यता प्राप्त विद्यालय एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती पुनीता ज्योति ने बताया कि उक्त चित्रकला प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय करेरा, जवाहर नवोदय विद्यालय नरवर, तथा जिले के सीबीएसई मान्यता प्राप्त विद्यालय एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालय के कुल 100 विद्यार्थी भाग लेंगे, जिन्हे चित्रकला सामग्री आयोजक विद्यालय द्वारा ही आयोजन स्थल पर प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि उक्त चित्रकला प्रतियोगिता में चयनित सर्वश्रेष्ठ 5 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं नेशनल बुक ट्रस्ट की पुस्तक पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी तथा अन्य समस्त प्रतिभागियों को डिजिटल प्रमाण पत्र एवं प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखित एग्जाम वैरियर पुस्तक प्रदान की जाएगी।

## अगड़ा-पिछड़ा नहीं सीधे श्वद्मष्ट पर प्रशांत किशोर का दांव, इंट्रेस्टिंग होगा अगला बिहार विधानसभा चुनाव

एजेंसी

**पटना।** बिहार में पद यात्रा कर रहे प्रशांत किशोर ने धीरे-धीरे 2025 विधानसभा चुनाव की गोटियां सेट करनी शुरू कर दी है। हालांकि, उन्होंने अब तक राजनीतिक संगठन नहीं बनाया है। मगर, सभी काम राजनीतिक ही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका संगठन 2025 चुनाव में 75 ईबीसी उम्मीदवारों का समर्थन करेगा। राजनीतिक रणनीतिकार से सियासत को साधने निकले प्रशांत किशोर ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में उनके संगठन %जन सुराज% के समर्थन से अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) श्रेणी के कम से कम 75 लोगों को मैदान में उतारा जाएगा। प्रशांत किशोर ने समाजवादी नेता रहे कर्पूरी ठाकुर की जयंती से पहले इस सिलसिले में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए ये बातें कही। उन्होंने कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में ईबीसी से संबंधित कम से कम 75 लोगों को एक ही मंच से मैदान में उतारा जाएगा। प्रशांत किशोर ने जन सुराज के एक राजनीतिक दल में परिवर्तन के संबंध में हालांकि कोई घोषणा नहीं की लेकिन कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार आप ईबीसी वर्ग के कम से कम 75 लोगों को एक मंच से चुनाव लड़ते देखेंगे। हम उन्हें चुनाव लड़ने के लिए तैयार करेंगे। हम (जन सुराज) अपनी पूरी ताकत उनके पीछे लगा देंगे। पीके ने आरोप लगाया कि इस समुदाय के लोगों का राज्य में सत्तारूढ़ दलों द्वारा हमेशा शोषण किया गया है। बिहार में राजनीतिक दलों ने कभी भी उनकी बेहतरी और उत्थान के बारे में नहीं सोचा। बेहतर शिक्षा के महत्व पर प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज इस वर्ग के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सभी वित्तीय सहायता भी प्रदान करेगा। हर साल जन सुराज इस उद्देश्य के लिए कम से कम 500 ईबीसी विद्यार्थियों (प्रत्येक जिले से कम से कम 10 से 15) का चयन करेगा और उन्हें सभी सहायता प्रदान करेगा। बिहार सरकार ने अक्टूबर 2023 में जाति आधारित सर्वेक्षण के आंकड़े जारी किए थे। इस सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार बिहार की कुल जनसंख्या 13,07,25,310 में से 63 प्रतिशत लोग अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) श्रेणी से हैं। सर्वेक्षण के आंकड़ों से पता चला कि राज्य की आबादी में अनुसूचित जाति की आबादी 19 प्रतिशत से अधिक है जबकि एक प्रतिशत लोग अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत आते हैं। कास्ट सर्वे से पता चला कि ओबीसी में यादव जनसंख्या के मामले में सबसे बड़ी जाति है जो कुल आबादी का 14.27 प्रतिशत है। इसके बाद दुसाध (5.31 प्रतिशत) और चमार (5.25 प्रतिशत) हैं। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव %यादव% समुदाय से हैं। केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान दुसाध (दलित) जाति से हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि कुर्मियों की कुल संख्या कुल जनसंख्या का 2.87 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इसी जाति से आते हैं।

# इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट में नहीं खेलेंगे विराट कोहली बीसीसीआई ने बताया कारण

इससे पहले कोहली निजी कारणों से अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मैच से भी हट गए थे। हालांकि, इस बात का खुलासा नहीं हुआ है कि विराट किस निजी स्थिति से जूझ रहे हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 25 जनवरी को शुरू होगी। पहला मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज के शुरुआती मुकाबले से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली पहले दो टेस्ट में नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई ने उनके टीम से बाहर होने की पुष्टि की है। बीसीसीआई ने बताया कि कोहली निजी कारणों से शुरुआती दो टेस्ट मैचों में नहीं खेलेंगे। अभी तक विराट के रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की है, लेकिन हैदराबाद टेस्ट मैच से पहले एलान हो सकता है। इससे पहले कोहली निजी कारणों से अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मैच से भी हट गए थे। हालांकि, इस बात का खुलासा नहीं हुआ है कि विराट किस निजी स्थिति से जूझ रहे हैं। बीसीसीआई की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि विराट पहले ही इस मामले पर कप्तान रोहित शर्मा से बात कर चुके हैं और उन्हें इस मामले पर कप्तान का समर्थन प्राप्त है। कोहली की अनुपस्थिति में यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर जैसे युवाओं के कंधों पर आगे बढ़ने और प्रदर्शन



करने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। बीसीसीआई ने बयान में कहा, %%विराट कोहली ने निजी कारणों का हवाला देते हुए बीसीसीआई से इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के पहले दो टेस्ट से हटने का अनुरोध किया है। विराट ने कप्तान रोहित शर्मा, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से बात की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है, लेकिन कुछ व्यक्तिगत स्थितियां उनकी उपस्थिति और पूरे ध्यान की मांग करती हैं। बोर्ड ने आगे कहा, %%बीसीसीआई उनके फैसले का सम्मान करता है। बोर्ड और टीम प्रबंधन ने स्टार बल्लेबाज को अपना समर्थन दिया है और टेस्ट सीरीज में सराहनीय प्रदर्शन करने के लिए टीम के बाकी सदस्यों की क्षमताओं पर भरोसा है। बीसीसीआई मीडिया और प्रशंसकों से अनुरोध करता है कि वे इस दौरान विराट कोहली की निजता का सम्मान करें और उनके व्यक्तिगत कारणों पर अटकलें लगाने से बचें। चयन समिति जल्द ही उनके रिप्लेसमेंट के नाम का एलान करेगी। रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल ,कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान) और आवेश खान।

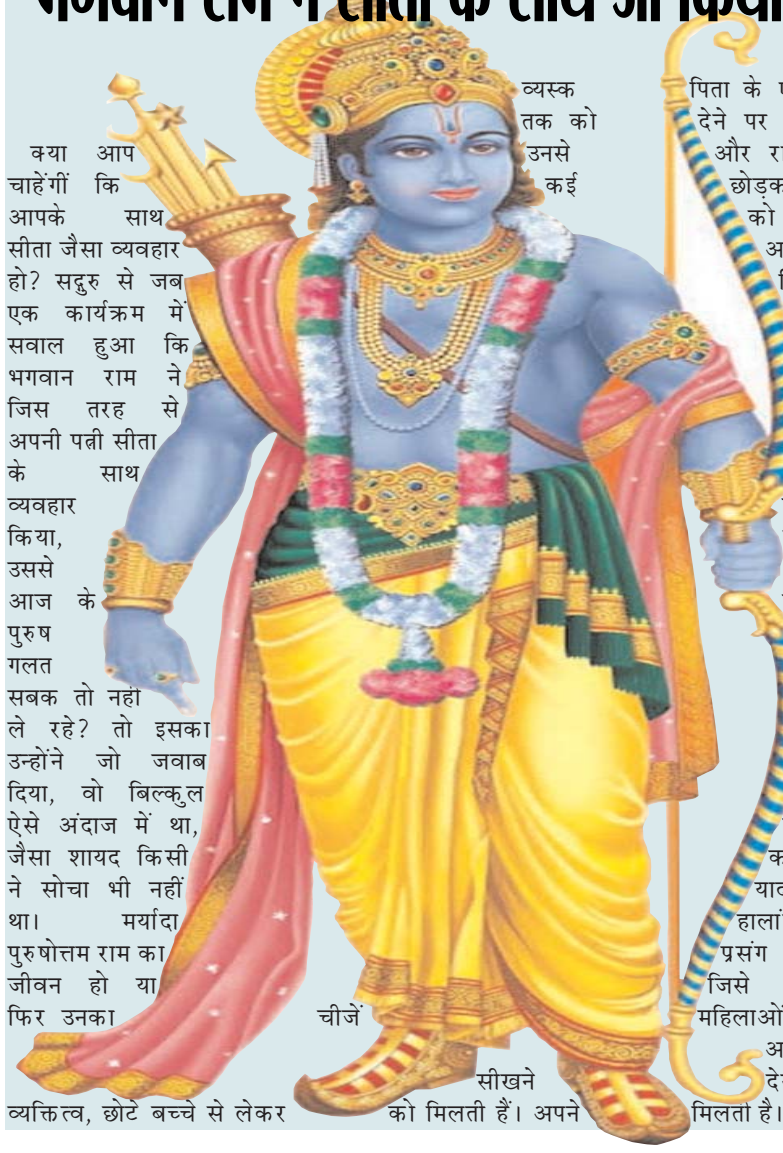

# भगवान राम ने सीता के साथ जो किया क्या आज के मर्द उससे गलत चीजें सीख रहे हैं? सबको सुनना चाहिए सद्गुरु का जवाब



क्या आप चाहेंगीं कि आपके साथ सीता जैसा व्यवहार हो? सद्गुरु से जब एक कार्यक्रम में सवाल हुआ कि भगवान राम ने जिस तरह से अपनी पत्नी सीता के साथ व्यवहार किया, उससे आज के पुरुष गलत सबक तो नहीं ले रहे? तो इसका उन्होंने जो जवाब दिया, वो बिल्कुल ऐसे अंदाज में था, जैसा शायद किसी ने सोचा भी नहीं था। मर्यादा पुरुषोत्तम राम का जीवन हो या फिर उनका व्यक्तित्व, छोटे बच्चे से लेकर व्यस्क तक को उनसे कई चीजें सीखने को मिलती हैं। अपने पिता के एक बार कह देने पर पूरा साम्राज्य और राजा की गद्दी छोड़कर वनवास को चले जाना, अपनी पत्नी के लिए हजारों किलोमीटर चलना और युद्ध में रावण पर विजय हासिल कर सीता को घर वापस ले आना... रामायण में दिए गए ऐसे न जाने कितने प्रसंग हैं, जो शायद हर भारतीय को मुंह-जबानी याद हैं। हालांकि, एक प्रसंग ऐसा भी है, जिसे लेकर कई महिलाओं व पुरुषों में अलग सोच देखने को मिलती है। सभी को याद होगा कि रामायण में माता सीता को भगवान राम और अन्य प्रजावासियों के समक्ष अग्नि परीक्षा देनी पड़ी थी। इसी को लेकर लोगों के बीच में अलग-अलग सोच देखने को मिलती है। कई लोग यह सवाल उठाते हैं कि आखिर सीता को वनवास क्यों दिया गया और इस परीक्षा से उन्हें गुजरना ही क्यों पड़ा? ऐसा ही कुछ सवाल सद्गुरु से भी पूछा गया था। कार्यक्रम में शरीक हुए सद्गुरु से एंकर ने सवाल किया था कि जिस तरह से पुरुषों ने माता सीता के साथ व्यवहार किया उसने सैंकड़ों लोगों के मन पर छाप छोड़ी। पीढ़ियों से हमारे यहां रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथ कई तरह की सीख के स्त्रोत रहे हैं। ऐसे में हम कैसे ये उम्मीद कर लें कि आज के जमाने के पुरुष अपनी पत्नी के साथ वैसा बर्ताव न करें, जैसा सीता या द्रोपदी के साथ हुआ था? हम ये समझना चाहते हैं कि इस तरह की चीज से कैसे हम खुद को प्रभावित न होने दें और बदलाव लाते हुए महिलाओं को सम्मान के साथ देखें। और कैसे हम अपने



बच्चों को भी ऐसा करना सिखाएं? इस सवाल का सद्गुरु ने यूं जवाब दिया। %मैं सभी महिलाओं से ये सवाल करना चाहता हूं क क्या वो चाहेंगी कि उनके साथ सीता जैसा व्यवहार हो? मैं इसे अलग दृष्टिकोण से आपके सामने रखता हूं। मान लीजिए कि आप 5000 पहले के उत्तर प्रदेश में रह रही हों और श्रीलंका से आया एक पुरुष आपका अपहरण कर ले। आप ऐसा पति चाहेंगी जो आपके लिए 3000 किलोमीटर तक चलकर श्रीलंका पहुंचे या फिर अपने आसपास ही कोई विकल्प तलाश ले, क्योंकि वो तो राजा है? मैं पूछना चाहता हूं कि आप इनमें से किस तरह का पुरुष अपने जीवन में चाहेंगी? सद्गुरु के इस जवाब पर एंकर ने फिर सवाल किया कि जब ऐसा ही था तो सीता को अग्नि परीक्षा क्यों देनी पड़ी? इस पर सद्गुरु ने जवाब दिया %अग्नि परीक्षा का अर्थ ये नहीं कि किसी को वास्तविकता में आग में उतरना पड़ा। इसका तात्पर्य ये है कि उसे कई तरह की परीक्षाएं देनी पड़ीं। सीता को इनसे इसलिए गुजरना पड़ा क्योंकि राम राजा थे और लोग उन्हें अपना आदर्श मानते थे। आपका व्यवहार कैसा है, आपने



क्या कर रहे हैं, ये सब बतौर राजा बहुत ज्यादा मायने रखता है, क्योंकि पूरे राष्ट्र का जीवन आप पर निर्भर है।% अपने जवाब को आगे बढ़ाते हुए सद्गुरु ने आज की पीढ़ी की आंखों पर पट्टी बंधे होने की बात को उदाहरण देकर समझाया। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि क्यों राम जैसे व्यक्तित्व का होना जरूरी है। %आज के समय में हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या ये है कि हम सभी धृतराष्ट्र सिंड्रोम से गुजर रहे हैं। राम न जाने कितने हजारों साल के पहले से एक मिसाल पेश कर रहे हैं। सीता उस समय गर्भवती थीं, जब उन्हें वन में भेजा गया। उनकी कोख में राम के बेटे थे। एक राजा के लिए उनके पुत्र बहुत ज्यादा अहमियत रखते हैं क्योंकि उन्हें अपना साम्राज्य संभालने वाला उत्तराधिकारी चाहिए होता है। राम ने फिर भी सीता को जंगल भेजा, क्योंकि अगर वो ऐसा नहीं करते तो जनता के बीच हंगामा हो जाता। आप इसे नकारात्मक रूप में देख सकते हैं, लेकिन मेरा मानना ये है कि हमें ऐसे ही पीएम और नेताओं की जरूरत है, जो अपने राष्ट्र के खातिर कुछ भी करने को तैयार हों।%

# वर्ल्ड मीडिया में छाया प्राण प्रतिष्ठा समारोह, पीएम मोदी और सरकार पर किसने क्या कहा?

राम भक्तों का सदियों का इंतजार अब खत्म हो गया है। रामलला अब अयोध्या में विराजमान हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में प्राण प्रतिष्ठा के लिए पूजा अर्चना हुई। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की इस समय देश-दुनिया में काफी चर्चा हो रही है। दुनियाभर के मीडिया ने इसे कैसे कवर किया है। आइए विस्तार से पढ़ते हैं। ब्रिटेन से संचालित %बीबीसी% ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया है। खबर का शीर्षक दिया गया है- %अयोध्या राम मंदिर- भारत में पीएम मोदी ने बाबरी मस्जिद के विध्वंस स्थल पर हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया%। खबर में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में भगवान राम के एक भव्य मंदिर का उद्घाटन किया है। यह मंदिर उस जगह पर बना है, जहां पर 16वीं सदी की मस्जिद थी। जिसे 1992 में हिंदू भीड़ ने ध्वस्त कर दिया था। विध्वंस ने देशव्यापी दंगों को जन्म दिया था। जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खबर में आगे कहा गया, %अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में शीर्ष फिल्मी सितारों और क्रिकेटरों सहित हजारों आमंत्रित अतिथि शामिल हुए। लेकिन कुछ हिंदू संतों और विपक्ष ने यह कहते हुए इसका बहिष्कार किया कि (पीएम) मोदी राजनीतिक लाभ के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत में अगले कुछ महीनों में आम चुनाव होने हैं। मोदी के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों का कहना है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश में मंदिर के नाम पर वोट मांगेगी, क्योंकि अस्सी फीसदी आबादी हिंदू है। इसमें आगे कहा गया, %आलोचकों ने सरकार पर यह भी आरोप लगाया है कि वह ऐसे देश में धार्मिक उत्सव को आगे बढ़ा रही है, जो संविधान के मुताबिक धर्मनिरपेक्ष है। मंदिर का निर्माण 217 मिलियन डॉलर की लागत से किया गया है। मंदिर ट्रस्ट का कहना है कि इसे निजी दान से वित्त पोषित किया गया है। कतर से संचालित %अलजजीरा% ने इस खबर को प्रमुखता दी है। उसने खबर का शीर्षक दिया है- %भारत के मोदी ने अयोध्या में मस्जिद विध्वंस स्थल पर किया राम मंदिर का उद्घाटन%। खबर में कहा गया, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तरी शहर अयोध्या में एक ऐतिहासिक मुगल-काल की मस्जिद के खंडहरों पर बने हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया है। भगवान राम को समर्पित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा मोदी की बहुसंख्यक हिंदू राष्ट्रवादी राजनीति की जीत का प्रतीक है। यह इस साल होने वाले आम चुनाव से पहले चुनाव अभियान की अनौपचारिक शुरुआत है। खबर में कहा गया, मोदी ने सुनहरे रंग की पारंपरिक पोशाक पहन रखी थी। उन्होंने नई दिल्ली से करीब 700 किमी पूर्व में अयोध्या में 50 मीटर (164 फुट) के मंदिर के केंद्र में भगवान के काले पत्थर की मूर्ति का अनावरण किया। मंदिर का निर्माण उस जगह पर किया गया है जहां मुगल सम्राट बाबर के नाम पर बाबरी मस्जिद सदियों तक खड़ी थी। जिसे 1992 में हिंदू भीड़ द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था। खबर में कहा गया है कि हिंदू भारत की आबादी के करीब 80 फीसदी हिस्सा हैं। जो दुनिया का सबसे अधिक (हिंदू) आबादी वाला देश है। जो कुछ 200 मिलियन मुसलमानों का घर भी है। इसमें कहा गया है कि मुसलमान 2014 में मोदी के सत्ता में आने के बाद से अक्सर हिंदू राष्ट्रवादियों द्वारा हमलों का शिकार हुए हैं। मंदिर राम का पवित्र निवास है। जो हिंदू पंथ के सबसे लोकप्रिय देवताओं में से एक है। लाखों हिंदू इस विश्वास के साथ राम की पूजा करते हैं कि विपत्ति के समय उनके नाम का जाप करने से शांति और समृद्धि आएगी। हिंदू धर्म का पालन करने वाले अधिकांश लोग अपने घरों में राम की मूर्तियां रखते हैं। दशहरा और दिवाली जैसे प्रमुख हिंदू त्योहार सत्य, बलिदानऔर नैतिक शासन के गुणों वाले राम की पौराणिक कथाओं से जुड़े हैं। ब्रिटेन के दैनिक समाचार पत्र %गार्डियन% ने भी इस खबर का इसी तरह का शीर्षक दिया है। उसने शीर्षक में लिखा- %मोदी ने मस्जिद स्थल पर हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया%। खबर में कहा, भारतीय शहर अयोध्या में कट्टरपंथी हिंदुओं की भीड़ द्वारा एक मस्जिद को ध्वस्त करने के तीन दशक बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसी जगह पर हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया है। खबर में कहा गया, कुछ लोगों के लिए मंदिर का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण धार्मिक क्षण का प्रतीक है। कई हिंदू अयोध्या को भगवान राम का जन्मस्थान मानते हैं। कई मानते हैं एक सदी से ज्यादा समय के विवाद के बाद स्थान को कब्जे से मुक्त कराया गया है। मोदी ने खुद इसे उस सपने का पूरा होना बताया है, जिसे कई लोगों ने वर्षों से संजोया हुआ था। खबर में बताया गया है कि एक 22 वर्षीय ड्राइवर अर्जुन कुमार ने पिछले बीस दिन में दिल्ली से अयोध्या तक की 750 किलोमीटर तक की पैदल यात्रा की। अर्जुन ने बताया, मैं इसे अपने जीवन की सबसे महत्वपूर्ण यात्रा मानता है। मेरे कई दोस्त इस यात्रा को लेकर डरे हुए थे, लेकिन हम भगवान राम के अनुयायी हैं। हमें कोई नहीं रोक सकता है। मुझे लगता है कि हर हिंदू को यहां जाकर यह संदेश देना चाहिए कि यह देश हमारा है और हमें कोई नहीं रोक सकता। अमेरिका के प्रमुख अखबार %न्यूयॉर्क टाइम्स% ने भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर एक विस्तृत खबर प्रकाशित की है। इसका शीर्षक दिया गया- %मोदी ने एक विशाल मंदिर का किया उद्घाटन, भारत में हिंदू पहले की जीत%। खबर में बताया गया है कि किस तरह से नरेंद्र मोदी सहित कार्यकर्ताओं और आयोजकों ने पैदल चलकर भव्य हिंदू मंदिर बनाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी और लाखों डॉलर डॉलर एकत्र किए।

खबर में कहा गया है कि मंदिर निर्माण के लिए दो लाख गांवों से ईटों को उस पवित्र शहर भेजा गया, जिसे भगवान राम का जन्मस्थान माना जाता है। खबर में कहा गया, मोदी अब देश के प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने सोमवार को अयोध्या में राममंदिर का उद्घाटन किया। खबर में कहा गया, पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज हमारे राम आए हैं। सदियों के धैर्य और बलिदान के बाद हमारे भगवान राम आए हैं। यह एक नए युक की शुरुआत है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने आगे लिखा, यह हिंदू राष्ट्रवादियों के लिए जीत और कई अन्य लोगों के लिए खुशी का क्षण है। भगवान राम के भारत में काफी अनुयायी हैं। मंदिर के आसपास हफ्तों स उत्साह का माहौल था। सड़कें और बाजार भगवा रंग से पटे हुए थे। राम के पोस्टर में हर जगह इस कार्यक्रम का विज्ञापन थे। %फ्रांस 24% ने भी इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया है। अखबार ने अपने शीर्षक में लिखा- %मोदी ने हिंदू राष्ट्रवाद की जीत के तौर पर देखे जाने वाले मंदिर का उद्घाटन किया%।खबर में कहा गया, मोदी ने हिंदू देवता राम के मंदिर के बाहर अपने संबोधन में कहा कि 22 जनवरी 2024 केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं है। बल्कि एक युग के आगमन की शुरुआत है। इसमें आगे कहा गया है कि जिस जगह पर सदियों से एक मस्जिद खड़ी थी, पार्टी द्वारा उकसाए जाने के बाद हिंदू कट्टरपंथियों ने उसका विध्वंस कर दिया था। उस विध्वंस ने आजादी के बाद सबसे खराब धार्मिक दंगों को जन्म दिया। जिनमें दो हजार लोग मारे गए। उनमें ज्यादातर मुसलमान थे। इसने भारत की धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था की नींव को आधिकारिक रूप से हिला दिया था। खबर में आगे कहा गया है, उत्तरी शहर अयोध्या में हजारों श्रद्धालु नारे लगाते, नाचते, ध्वज लहराते और ढोल बजाते हुए जुट गए हैं। सड़कें जाम हो गई हैं। ट्रेनें खचाखच भरी हुई हैं। बाकी लोग पैदल मार्च कर रहे हैं। अयोध्या के मुस्लिम समुदाय के कुछ सदस्यों को भी कार्यक्रम में शामिल होते देखा गया। उद्घाटन (प्राण प्रतिष्ठा समारोह) से पहले 11 दिन के उपवास की शुरुआत करते हुए मोदी ने कहा था( भगवान ने मुझे भारत के सभी लोगों का प्रतिनिधित्व करने का एक साधन बनाया है।



स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्पलवे स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव पहला तल, निधि काम्पलेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।